मलुतीको
वानकोतमू
सोमाल्हती
वानघट



रका

॥७॥

वेहरथ॥ वानेफिरेजवाजारमैथ। ...ानृतहागेनृपदेसकेदेखनआअेसो



नां॥मुरिखकु[illegible]यिकाहाकरनां॥हा[illegible]रकारमननमेरोवे॥स्यंघनीमलीनवदनमुख



देसदेसकेनृपसवे।वोरनगरकेलोक।नरखिमैनमुरछेसवे।सुखमेवाद्योसोक॥७२॥कोउ
पीपरिमरदनमरी।कोउसेकतहेतपंग।कोउउद्धंगिघरिलेचले।रोवततिलवतजंग॥७३॥
वाजावजावतसोगिरे।औरटहलवासोय।चुंइपरेचीसवगिरे।नरमैरहोनकोय॥७४॥
मैचीघ्राहतीसोठगरही।नाइनअसीजमव।वपरेपुरखकाहा।नरे।नीठपेकमरिहै।रूपव॥७५॥

सगीरांने
द्यावाइ
ांहेखछे







॥ [illegible] ॥ हमरव

॥ करतार ॥ जो कछु नंद पद्म अंतर रघु

वमरवे की रीति ॥ अंतर कु निपारदै ई

ई ॥ साची प्रीति सुनं ई मृग पहल्ली स्य धनि मुर ॥ ७२ ॥

विधि के अंक [illegible] क्रम जोई ॥ तामे कछु नंद अंतर होई ॥ मृग की

स्पंधनी को सांको ॥ चित दै सुनीये सो सम ग्योता को ॥ ७४ ॥ का ॥ [illegible] उदै

नंदाचानुं ॥ प [illegible] मायां दिसायं ॥ विकसतें जिदा पद्मं ॥ प्रवता [illegible]

प्रचलय सती नदी मिनु ॥ सितताय्यं ति वृद्धी ॥ तदपी [illegible] नि [illegible] नीके भरे

मे ॥ ७५ ॥ चोपई वेठो हीरन सीह निव दे थ्ये ॥ मानुं मुक्त पेयूह ही करि [illegible] थ्ये ॥ मी

व तो होइ न वे ठोर रहई ॥ के सें वो [illegible] सहर ॥ ७६ ॥ सीह के मान मे डमे ह वच ॥



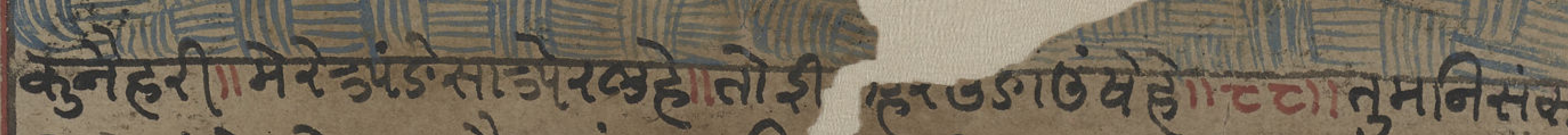
...चदेहिअगानन्द...

॥२३॥ मैंस्वामीतेरोवोल्यजल्यो
तुमोसुपहल्यो नक्षकह्यो हुवा [illegible] गंगाकीतीर ॥ होतेवद्धमाहावल्लवी
र ॥२४॥ अवहुदेहितुंगेप्रांन ॥ वेमोहीवात्मकह्योतुंमअपान ॥ कंत
सुनिचीयाअपाप ॥ अपवचीयाक्रनिकरेसंताप ॥ जैतानपातउहिग
याअपाकास ॥ कीनीअपपनीपुकारहतास ॥ वातसांग्येरकीन्यासी ॥२५॥
सोइ ॥ नानीगतिमोरासुंहोर ॥२६॥ श्लोकसर्ववल्लंपंथंजेन ॥ नपं

पाछेरुक्जीतिकाहाल्येहैं ॥ जोतुमअपपनोकारजिसारो । पुरवजनमकदुव
अपायारो । प्रथमम [illegible] तीवनवसतारो । पाछेनवरअपनेकहूंकारो ॥२८॥ अपसी
वननहीकार [illegible] ॥ अंगीसमुहतोरिट्लमेहै । अपसीवातजतउचरइ ।
[illegible] रसिगरे [illegible] मनरइ ॥२९मयुवाः जतमाल्तैंनल्लीवतपइ । पेंअपेहफोजमु
[illegible] रीयाअमेहमतोनहेछीहैं । मांनगीनतपोहोरयाकनैहै
[illegible] उषरमयिअपानिजिवपरिहे । मुसल्यधावकांहांलोडरिहे । अतेकरक
अ [illegible] योनेरो । अेकवेरइनकुंसमझाउं । फुनिपाछे [illegible] हवुयिउपाउं ॥३०
तीलोंकरकअपायगयोनेरो ॥ फु [illegible] वनीयांवनीय [illegible] डटेरो ॥ कहीरेअप
हपाइककीहमारे सोकांहागअपेघेततुजिन्यारे ॥ [illegible] उघ्रुरुयाह
करई । षित्रीतोषित्रीमुषपरई ॥ तोउपरिकोअपावय्यरइ ॥ अेकघेको
मास्योमरई ॥३१॥ सुनतवचनमयुकुंरसिलागे ॥ गयोचल्यपेंडदस

मात्हतीतुं ऊनिं जीऊपमदुखपावै।कोसांवंतन्यो मोमुख ऊपावै।वारवारकाहा
कहुंवऊगई॥तैंगिल्लोल्हकीसुधिनंपाई॥१३॥अेकगिल्लोल्हचोरत्यांहापर
री।छुरतकोटिकोटिवसतरडी।फाटईऊपरवखरवनिहार ...गें।ऊपावरयका
होकहुंइनऊपागें॥१४॥ ... नकोगुरुद्रोनपढाई।तोविद्यामेसवसिखपाइ
मवद
ख्याथेहुंकछुजीऊपनडं ... कहतोर ... हिप्रतीतिहि मांउ॥१५॥अेकगिल्लो
ल्हनसुबुधिमाच्यो।सिंगारेप्र ... री ... च्यो ... चोनिसांनरह्योनही।अेको





कुनैहरी॥मेरेऊंपंडैसाऊमेरल्हहे॥तोडी ... हरऊऊगठंखेहे॥८८॥तुमनिसंक
होऊपेऊंडैयरो॥मननमैंउच्यंताऊनिकरो॥डीतनीकहटीटोरोगयो॥सम
द्रतीरटिकानोल्हयो॥८९॥साऊमेरइऊल्हीअेवीहारि॥जीवटीटरी
गईपुकार॥उतानपातसुनाईवात॥मोसुतहयल्हीनेपरभात॥९०
सोरठा॥त्रीयाहरनवंधुमरन पुत्रतनोवियोग इतनेदुखऊनिसंपजो

विहंगमारीयऋ॥ऊपंवोप्रेमऊणपुर्वै॥जाणिजइजंपएजीह॥७१॥दोहरा॥प्रेमप्रीति
कीकाज॥पंछीहुवंयनसहे॥नैंतरिवहरीवाज॥गगनिगझंफिरिकोगहे॥७२॥ः
श्रवनंनंसुराच्योरंग॥ध्रटनादसुंनिम्रगथको॥सिरसनमुखअरअंग॥प्रेमनचुको
मालती॥७३॥चोपई॥भ्रंगीप्रेमवधाइवनाय्यो॥तनचटपटीमांनुअपसायो॥जे
सेव्रहवाण्णउरलाय्यो॥तवहीमयुमानुंसमोऊपाय्यो॥७४॥दोहरा॥व्रहव्यापि



मानुंसुकउण्व्राधिसुको॥मालतीतेषनिरषिसुषपाई॥तोलुंपायकसोऊपेक
ऊपाई॥मारमारकहीवचनपुकारे॥ऊपेकगिलोलनसुसवमारे ~~केले~~॥७५॥केते



ऊपेनीरनहींम[illegible]केघायुलसोफरिनागे॥सोन्रपऊपगेज्यायपुकारे॥
मयुकोपिस[illegible]मारे॥७६॥न्रपकोपिनीऊपेरोसनराऊपेकिनकोउउ
नकुंमय[illegible]पेककाहाजुयकरइ॥परचक्रीनीहचेसंचरइ॥

राखिवाद्येसुरी ॥ मेटिसकलदुखदंद ॥ २३ ॥ मैंइतनीतांनीनही ॥ देवनकेरात्माव ॥ लो
कलाजतेंअपेहलइ संसारीकेकाज ॥ २४ ॥ लोकाचारनकीजीअपे तोलोका
कानपत्या ॥ लोकलाजतेसवऊरे काहारंककाहाराव ॥ २५ ॥ मरवेतेकोउनां
ऊरे जोमुअपेंजसहोय ॥ अपजसजीतवजनम ग्रक वुरीकहसवकोय ॥ २६ ॥ तारन
वायक ॥ तेरोकछुदुसननहीवियकेसेलअकथ ॥ गाइफेरिनगाइअपे ॥ अपव
नअपअपपनेमथ ॥ २७ ॥ जलवढिपोय ॥ ऊवढ ॥ प्रवलअगनिमुखदुय ॥ जेसेंजसे
अमवढेतेसैतसवुधि ॥ २८ ॥ श्लोक ॥ नाग्यंफलं तेसर्बत्र ॥ नचविद्यानचपोरख ह
मथनेकर्तेसिंधुं ॥ हरिलछ्मीहरोविषं ॥ २९ ॥ चोपइ ॥ वलीपुरसवोहतकनिरवही
अे ॥ लछ्योकंमसोहीफलपइअपे मथ्योसिंधहरिलछमीलअपे हरकेवांटेहला
हलअपाअपे ॥ ३० ॥ रागवा ॥ सुनितारनतेनलीवताइ ज्योकछुलघीहतीसोपाइ
पैंजगहांसीवुरीअपेहलागे ॥ यातेसेहजकहुतोअपागे ॥ ३१ ॥ उतमकुलकहुंसु
नीअेअेती ॥ जोतेवेलनसेनहीसेती ॥ वरवनीघ्यां कुअपरीराजवंसी ॥ कुलक
लकअपरजुगमेंहंसी ॥ ३२ ॥ तारनवा ॥ दोहरा ॥ तेमुखतेवनीघ्यांकह्यो ॥ अपनवनीघ्यां
कौंहोय ॥ अववनीघ्यां वनीघ्यांनअपे वनीघ्यांवनीघ्यांहोय ॥ ३३ ॥ चोपइ ॥

चोपइ ॥ अंगीअपानिपुकारपुकारी ॥ मालतीअेहसंदेहतुटारी ॥ तेरेवदनजोतिअपदि
कंये ॥ अनुउावसिवारीजपुरवंये ॥ दुहा ॥ सुनतवचनमालतीरसानी ॥ अंगीकाजि

33



कहीफरिवानी ॥ कटिहीकाठयामसजिरहइ ॥ अपछिवारुडावंयनकितसहइ ॥
३५ ॥ अंगीवाः दोहरा ॥ परीहप्रेमकीपासि ॥ कटैनकोटिकोउमलें ॥ तनमनअपर
प्योतास ॥ प्रीतिरीतिअपेहमालती ॥ ३६ ॥ गाथा ॥ गुंगुंगुरांमगुरियं मनयमंगाथ

५



तेकछुपढ्यो ॥ केतेकदिवसमोहिदसटिनपडगे ॥२७॥ मिंत्रीकहेराएउपवयार
ज्यातिविच्पत्र पंडत प्रकसार वरससाठिचोसटिकेअंते ... जान

तारन पं
डतवुल्यो
प्रोहित
हुरथहैय
छ

प्रयुकु
पिंडतपै
ढावे



राजा
राजाता
रन
राजा

दोवनीएउपेकवनरावन्यां तामेउपेकब्रह्मनकीकन्यां राजपुतउपरडुग्निकीव
सेपेत्रीकुटमक्लेतांहांलेद्योकेसे ॥२४॥ देवनको कोउन्नेइनपावे ॥ तुंतहांउपति
उपाचारवतावे ॥ वाल्हिपुरषउपाकारनवुझे ॥ उपतनीन्नइतोउनहीसुझे ॥२५॥
श्लोक ॥ उपाकारेरमतेरंगं ॥ चेष्टायांभाषणेनच ॥ नेत्रवक्त्रविकारेण ॥ गपाउपते
उंतरंमनं ॥२६॥ दोहरा ॥ उपाकारेसववुझीउपे ॥ उंगउपंगकानेन ॥ नेत्रचित्त
विकारेण ॥ दुरेनमानसदेन ॥२७॥ कंकरपथरपरखीउपे ॥ मणिमाणिककीजाति
हलतचलतजुगपेखीउपे ॥ सुरनरकेवहुहात ॥२८॥ चोपई ॥ जोलुंजासुंकोमन
परइ ॥ उपनवैग्योवातउपतिकरइ ॥ तेरेतोसवउपागमवीते ॥ कहनसुनन्नकीयइ
हीरीते ॥२९॥ राजावाच ॥ दोहरा ॥ मंत्रीकारनन्रपकहे ॥ तुं जंपेसवजेव ॥ वेंग्योउप
नवेंग्योकाहा ॥ सोमोहिउपाषेदेव ॥३०॥ तारनवाच ॥ तारनन्रपकारनकहे ॥ चि
तदेसुनीयेराय ॥ ज्योवुझेतोहुंकहुं ॥ दोउपनगकेनाव ॥ चोपई ॥ पंथीउपेक
उरगेनोकोइ ॥ उतस्योहाटवाजरहज्योइ ॥ मोचीकोघरढुंढतउपायो ॥ घोराको
वेरोमुल्लवायो ॥ मोचीकहेउपवनेकहिजाउ ॥ डेरन्यायइउसासहपाउ
वउसकारेमारिगन्नइ इयो ॥ वाढाघरमांहेलेजइयो ॥ ३ ॥ ज्याहान्नाजन

कुलहोयद्दोरी॥ ५२॥ दोहरा: संकर को पिय पनंग दह्यो॥ व्याकुल भई जननारि
वामकर लघु अंगुरी॥ लीनो निमष उसारि ५३॥ चोपई नष नरि कांमपोहोमी



कामपोहोमी वसतास्यो॥ ताके वसि सिंगरो जुग हास्यो॥ जो स्विकाम दहन न हीं कि
रतो॥ तो मानस पसु ऐक गति सरतो॥ ५४॥ नारि उर काम नष्यो जुग जाहर॥
नसमी शृंगार रहे ओही ठाहर॥ पाउं लष नमर तास के कीनो॥ करता की गति
कोउन चीनो॥ ५५॥ दुहरा॥ नसमी तो पाउं लष नइ कइ लघु कै शृंगार

परचति॥ ३०॥ चंद्रसेन नृप इमि उचरे॥ जो मालती पढवे की करे॥ नीति रिज्य
ड्वु कि सुचित ल ज्यो मिंची तुम आदेस हेत॥ ३१॥ दोहोरा: काली [illegible] कुप
लमे॥ वियनां लष्यो सुजाइ॥ मयुमालती विल[illegible]को [illegible]लागो होन [illegible]॥
३२॥ चोपई॥ [illegible] रूपंते वर ज्यां हां॥ कनकमाल रानी है त्यां हां॥ रानी सु
पुछत तवे जेउ॥ पंडित है डुजो सह देव॥ ३३॥ जो मालती पढवे की कहे॥ तो
पंडित ई ह होर रहे॥ उपर क घरी दोय की सहे॥ थोरे थोरे विसमल है॥ ३४॥

राजा रूप
तेवर मत्रा
यसो धे





वेदनिकोनरूपइमयुकरतन ॥ द्रुमवेलीनरकेनसिदीन ॥ सांचीवातमोहिसमझईरे
कुरकलंगावतलोंकितगहीरूपे ॥ ४६ ॥ मयुवा: कुरकलांवतजोघरनुले ॥ मयुकरफुं
निवेहीगतिकुले ॥ पेंरूपचिरमनरूपहलागोमेरेमन ॥ लताअरुकतनहींदेखोवनवन ॥
४७ ॥ जतवा: जैतसुकचिमनलज्याषाई ॥ मेरीवातमोहीपरिरूपाई ॥ मेमयुसुंसाच
हीसांचवुझी ॥ तेरेजीरूपकीकछुवोरसुझी ॥ ४८ ॥ विनतालुताउरयंतनर ॥ ईनके
सहजसोहीकेघर ॥ जोलुंरूपाश्रमनेकनगहई ॥ तोलोंनलहेनकोउकहई ॥ ४९ ॥
श्लोक वेडुर्ज मांडिका ॥ हेमश्चायंविनुषिडा ॥ विनाश्रयंनसंचंते ॥ पंडतावि
नतालिता ॥ ४९ ॥ [illegible]पईमयुवायकं ॥ मयुकंजनमरूपापनोसुझे ॥ मसकरिजेतमा
लकुंवुझे ॥ मयुवा[illegible]कोनमालतीकेसी ॥ उतिपतीमोहिसुनावोजसी ॥ ५० ॥ जतवा:
सुनिमयुश्रवनकथाकहुंरूपरंला ॥ मयकरजवरमालतीपरंला ॥ उतपतिजइ
सोतोहिसुनांउं ॥ पाछेकेघुतमगहुंपाउं ॥ ५१ ॥ माहादेवजिविकांमप्रजास्यो ॥
भसमअंगारघारकरिडास्यो ॥ जरतरूपनंगदेषिकरिगोरी ॥ रूपतिआकुलव्या



गाहनखोल्हे ॥२९॥ वेहजानेमेरोकरयरडी ॥ वेन्यारे अपपनेजीवतेऊरही ॥ अपवल्हा
प्रथम अपेतोकरजाने ॥ कुरकुंतोकरहीकुरिहुंने ॥२९०॥ अपेकदिवस अपेहीविथि
वरिहै ॥ डुजेवोरडुसरेयरिहै ॥ तासुं अपेहवुयिफुनिकरेहे ॥ तुजेनारिचितक
नुकनारिहै ॥२९१॥ ष्मुहीकतछ्रा ठियीयघडंऊख्याही ॥ फुनिडुजोकोऊपरांठीयो
॥३००॥
है ॥ अपेयकुंपम्यंदरमेनावे ॥ ताराकुचीजुजी ॥२९२॥ विनतीन अपपरायचीइनडुषदीने



गी॥न्रपकव्ररकीसंक्याभागी॥३९॥चीनेवसत्रडुरिजिवकीनां॥दुषदाइकहो
इकैसुघरीनां॥मधुमोसुंजैसीकितकरइ॥मालतीदसन्पंगुरीमुषयरइ॥
॥३९॥मधुवाइकं॥न्रपतकुंअरअपनोव्रतराष्यो॥मेसैवडवेदमेभाष्यो॥
चातुरपुरससोइकहीइ॥समक्रिवना॥किसकोकरगहइ॥४०॥दोहरा॥तपति
तिषनषलेरनन॥नारीनेहगरथ॥कुअरिकंचनपरिषिकें॥तोहनगहीजेह
थ॥४१॥चोपइ॥मालतीवाइकं॥चीय्याकातनकीइसारतिपावे॥तोनरलुलुचा
इस्वानगुआवे॥अेहमेरेमनअपेकनआवे॥हुकछुगाउंतुकछुगावे॥४२॥श्लो
का॥नागानिवंत्रीपतिकादानां॥न्रपमांनमहोदिये॥तनकसर्वन्नुतानां॥पुरसा
वांमलोचवं॥४३॥चोपइ॥त्रिपतिनअगनिकाष्टकाआरा॥त्रपतिनसाइरसिलत
केजला॥त्र[illegible]तिनकालप्रांनकेलेतही॥त्रपतिननारीन[illegible]केलहीही॥४४॥[illegible]
मधुवाइकं॥[illegible]युगंपेमालतीसुनि[illegible]सतछो[illegible]किंतनेकदनजि[illegible]
इवातन[illegible]रइ॥सुंननहारितोसुनिकेरहइ॥४५॥तोगुरमोगुरअपेकप[illegible]
दुजीतुहे[illegible]कीजाइ॥अपे[illegible]जी[illegible]समक्रिवविकनकुके॥अपंथीनशीहरदेकछु

जांनेवेदनिवपेजिस॥योषगइचिकतचितच्यहुंदिस॥६२॥दोहरा॥अंतरगतिकी
पीरकरताविनकोउलहे॥तनमनयूरेनधीरा॥कासुंपुकारुंकिसकुहुं॥६३॥चोपइ



मालतीरामसरोवरकंपी॥चितव्रतविपतपरेसवपंषी॥सषीसकलकेवदनविलोके
मानुंचंदचहुदसियरियोके॥६४॥चोपइ॥दोहरा॥चकइनच्य[illegible]वि[illegible]कमल
लुसंपरदउे॥[illegible]रिचकोरध्यननेह[illegible]विदनछिवमाल[illegible]रा॥रविके
छगिफीकोसदा॥मालतीवदनन[illegible]रा॥तेजहीन[illegible]मोदिविसा
ल॥पंछीत्रपाम[illegible]कुंचले॥उरपनलागीवाल॥स[illegible]॥६७॥

आदनवहुतनंगऊंकीनो ॥१॥ रूपपकीरतिचहुंदेसकढाई ॥ करनवेगकोछलमहनसि
पाई ॥ ३॥ चलीवातसोरठमेंआई ॥ सुरसेननरपयसुनिपाई ॥ २॥ विनरूपपरायसा
थिरीयाढंकी नीवतैनरतारनईसवरंऊ ॥३॥ सिगरेकुमारनोक … रकहइ
फुनिरनवासमाहिसुथिलहइ ॥ सुरसेनकीधीरूपकुवारी ॥ पदमावतीनामसु
यवारी ॥३॥ उनरूपेहवातश्रव … निपाई ॥ करनवरनकुंमनसायाई ॥
सषीवुलाइततातपे पढई ॥ कहीयविसम … वतीरूपेहरूपहई … करनराइकुनह



वैठमोहिमारि ॥३३॥ मोजलपीवेकीनइ ॥ ढगिहीकाठतराइ ॥ जोनगहुंतोडु
विहे ॥ गैहैतोवसहरषाइ ॥३४॥ चनरेषावाइकं ॥ चोपई ॥ जानिवुजिरूपापहुी
होइ ॥ तोलोंकाहासिषावेकोई ॥ नलीकहतजोवुरीविचारे ॥ सिषवेसोइगाठि
कोहारे ॥३५॥ सेवरकुटिलीयेरूपपनेमनसुं ॥ अवरुपेवातकहेतुकुंनसुं ॥ तुतेरी
करनीफलपैहें ॥ मेरोकाहागाठिकोजेहें ॥३६॥ तीनपहरनिसिलोसमजाई ॥ वे
नरेषमनमेंदुषपाई ॥ रूपेहरूपमनलरकीहोइजेंहें ॥ मोकुंदोससवत्रीयदेहें ॥३७॥
लेगुलावनरीपचकारी ॥ पदमावतीपीठिपेमारी ॥ चोकीउचकीउरसुला
गी ॥



पचिका
रीमारी

प्रकास। कविअ्रनसोंकरजोरिकरि। कहतचत्रुभुजदास॥१६॥ वनासपतीमेजंं
वफल। रसमेउपरसंतकथामथिमधुमालती। धरपतिमयिवसंत॥१७॥ फलाम
ठिपनगम्हुता। सुयेमथिनसार। कथामथिमधुमालती। आछुसरगमथिसार॥१८॥
चौपइ॥ राजनीतकीघ्रामेसाषी। पंचाष्यांनबुधिअहनाषी। चरनअ्रकचातुरी
वनाइ। थोरीथोरीसवहुआइ॥१९॥ फुनिवसंतराजरसगायो। जामेईस्वरकांमदृ
ढायो। ताकी[illegible] अेहलीलाविसतारी। रसकिरसनअ्रवननसुषकारी॥२०॥
रसिकहोयअ्रन[illegible]चाहे। अध्यातमआतमअवगाहे। चातुरपुरसिहोय
हमेइ। अहरसकल्हासमुझिहेसोइ॥२१॥ श्लोका॥ कामारथीलभन्तेकामं॥
धनिरयनोलभन्तेयनं। अपुत्रोलभन्तेपुत्रं। व्याथितसेनपीड्यन्ते॥ चोपइ॥
कसदेसकोकुंअरकुहावे। प्रदमनिकांमअपंसमधुगावे। पुत्रकलित्र[illegible]सुषपावे
दुषदालिद्रनीरोनहीआवे॥२२॥ दोहरा॥ राजा[illegible]राजगति। मंत्री[illegible]वारीबुधि॥
कांमीकांमविलासरस। गयांनीग्यांनसमुद्र॥२४॥ संपुरनमधुमालती[illegible]कसन
अ्रोसंपुर। विकथासुरतासवनकुं। सुषदायअकदुषदुरि॥२५॥ इतीश्रीमधुमाल
तीकामविलासकथासंपुरणं॥ संवत१७८९वरषेमासानांमासोतममासेसुक
लपषेतथि१०चंद्रवासरेसंपुरणंलिषतंपचोलीसुषरामपचोलीषवानेवग

चैवरिहुं॥ दुजोवचनचितनहीयरिहुं॥ तातवचारश्रवनसुनिलीजे॥ श्रवनसुनत
कछुविलमनकीजे॥५॥ सषीचलाइराइफेआइ॥ नृपकेश्रवनवातसुंनाइ॥



वनीध्यौकाहाग्रुकीमानो कटकागिलोलनसुकितमरिहें। लरकान्मेकाकं
हांलोलतिहैं ॥३९॥ परचक्रीनहचैकरिरूपान्यो। सुनतछत्रीवेगवुलान्योपं
चहजारवोहोरिसजिकीनो चल्हिहेवेगग्रपरूपगपाईनो ॥४०॥ मंत्रवायकं
मयुरूपवहीकह्योकरिमेरो ॥ लरिहैं तोरूपपनोकुलवसितेरो ॥ जोनजिच
लिहैं तोठाहरछांडे ॥ दो उथलमथिरूपेकनमंडे ॥४१॥ मयुवायक ग्रपकोचो
रहोयकांहांजांउं ॥ इनवातनकेंसैंपतिपाउं ॥ ज्योंसुरनररूपागैंरह्यानजो ॥ रूपसे
करनकर तक... जे ॥४२॥ मोकुंजुगवनीध्यांकरिजोने ॥ मालतीग्रपकुं
...वांने ॥ हंम तुंमप्रेमपरसनयारो ॥ खीरनीरमिलिहो... ॥४३॥
रह्यासंग्रांमनतुलिकेजाउं ॥ तैंमोहिकहीसोवुधिउपाउं ॥ प्रकुंदीनी ... तीविन
वसततारी ॥ पाछेंनंमररूपंनेकहेंकारी ॥४४॥ रांमसरोवरिफिठगवारी ॥ छोटे
वडेव्रछिसवकारी ॥ चारहपठारहजाररूपनेरी ॥ सोसवचढीमालतीकेरी
॥४५॥ तोलोंजैतपवनरूपारोप्यो ॥ सीतलमदसुगंयहीसाय्यो ॥ रूपतिसु
वासचहुंदसतेंयाई ॥ नंमरसंमुहसंन्यांचलिरूपाई ॥४६॥ कंउरविसमयु

सजीसुतजातिभटनागरगोतउसागीग्राघरउअकन्यां प्रतिचिरंजीवुस्यलु
चंदजीकीपचोलीनाचंदजीसुतजातिभटनागरगोतमहताखिमीनोचेच
तिमवाचैतीहजश्रीरामरामवंच्यासुनंनवृतु ॥श्रीश्रीश्री॥ मनपं श्री सालां



राजावाक्यं कां॥ ऐही वात स्रवन सुंनी। सोच भयो न्रप चंद्र। सोक तमा सेकौ मुख पे। फेरि च
योकछु इंद्र ॥७६॥ रानीवाक्य कां॥ नांकों कछु भेन मरि सके। दृग नि समांने रुप। मुरछा गति स
वकों भइ। परे ब्रह के कुंप ॥७७॥ तव परे च वंधी हती। नरह न चीने नैंन। ऐस व परद्दे विन पाखी
सोवत जागे मैंन ॥७८॥ नरस मुहवा नेमि कै। न ऐसे … के थंय। या ते तन भन गे चढ्यो। दृग न
परे जगफंद ॥७९॥ कांम सरप वाके सवै। … देत। घरी च्यारि मुरछे रहे। पाछै जे
सचेत ॥८०॥ इतीश्री मालतीमधुवानें चिरत … ह को ॥ चो
नरसु चेत हुय कै सब ऐसे। पाखीने परद्दे वे … ऐ वा … महल में आये। माल
तीकांम चिरत देखाऐ ॥ ॥ नीत हार न्रप गऐ कांनें। नगर … का सिगरो सब मांने। जन
परवाह नु गति सो होऐ। नु वेप्या से रहन कोइ ॥८२॥ घरी सो थि करि … दे या ऐसे वर कं
न्यां अेक भमल्याऐ। पान ग्रहन वेद विधि कीनी। वो होत तक दाना विप्रकुं दीनी ॥८३॥ चौरी
चहु कत कल्स वनाऐ। फुनि डुल्ह निडुल्हे त्याहां भाऐ। ज्वारि फिर सात त्याहां दी
ने। कुल्याकरम होते सो कीने। स्यंघासन ऐ … वेठाऐ। अदर करत पर वु … ॥८४॥
कनक कांति द्रहु कित छाजे। मथि न … क मयु मरि … विराजे। … इतही गत इत मा
लती। वीचि मयुना नंद। ऐसे … चंद ॥८५॥ ज्याको रुप अनग

च सुल्भ नु दुकों फरइ। सिवर छायो ऐसी ज्याहां करही। सो नर कु ऊ कोन तैं
डरही ॥८६॥ पाडु हरा॥ हारे सुनर हजार। फुनि पायक दल सो हने। न्रप पे गऐ पे
पुकार। घायल जुरी हाथ ल … ऐ ॥८७॥ चोपई॥ चंद्रसेन घायल कु वुझै। के
तो कटक राय रतां जुझे। सो हुं वात श्रवन सुनि पाऊं। ता परि ते सी कुं मथ पठाऊं
॥८८॥ घायल कहै कटक को उनां ही। कर गि … मयुकुं ऐ परहतां ही। कांकर
मारि दिदु सब कीने। इ ज्यो ऐ पाव यह धि नहीं लीने ॥८९॥ चंद्रसेन न्रप वात न मानी



मानिक

तपतिसुन

मोहि



अपविज अपज्याइ गगनि मधु छागे॥ फुनि अपछतार वनिक ग्रह छीनो॥ अपेहपर पंचकिह



कारनकीन्हो॥ ६॥ मालतीजनम न्रपग्रह वरका॥ तुमतो अपैसा हाकेसरका
तुमजांन्यो अैंह अंतरपरिहे॥ न्रपकु अपरि न्रपकुंवरवरिहे॥ ७॥ मेरीसुधिनल्लु
हीनकोउ॥ राजावनिकवातक्योहोउ॥ अपसीतो मधुमनैंमैवुझी॥ करताकी
गति अैसे कनसुझी॥ ८॥ तुंमतो अपही देव अपवतारी॥ उनकीवातकरेकोन्यारी॥
मानिकरावरकंकर चढिइ॥ कंचनवनाकाहु अंपतनजडंइ॥ ९॥ देवनकीउ
तपतिसुनां उ॥ नेद्याकाहा अपापमुखिगाउं॥ अप्यातोमोहिकहत्तन अपावे॥



९

६





घावेकीअंघ्रानंहीकोय॥विनवुझेकि
तचघ्योज्पाय॥जिहसुवटासींमरसीहो
य॥६०॥दोहरा॥सुवटासींवरदेषिमां
नुंअपस्रतसुवरपब्रो॥फुनिपाकोतीहि
पेषिदेहिपिंजारालोंभइ॥६१॥चौ
पइ॥अंतततवपुरोमेकवुके चातु

मा॰ ली

४८

रिकहुंनैंकनऊपरकी॥६२॥ग्रहपुरवनेंसोजलहुसपइ॥पैंकहुंअल्लिकीसुधिनवतपइ॥
पैंछीनमरूपानिजिवहेसे॥तोविनसवसुंनेकरिलेसे॥६३॥ज्युनि[illegible] चंदवहु
नी॥फुलवारिचंपकविनसुंनी॥रतिवसंतपिकविननंहीनीकी [illegible] म
निवनफीकी॥६४॥सैनसुनरथनपैंनअपनाहीं॥सरवरपंकजपं [illegible] मनियरअ
लहेमविनसुंनी॥त्रीयानवजोवनकंतवहुंनी॥मालतीकनुनाकरिहीसुंनावे॥
पैंकहुंअल्लिकीसुधिनपावे॥ अवहुंनहेचेप्रानगुंमाउं॥पतिवयोगकसेपतिपाउं॥
॥४०१॥ ररततनांममनमश्री हरिहरि॥अपारोयासंकरनीकेंकरि॥मयुकरप्रीतिहेत
चितयारी॥ अहवचनकहदेहपुजारी॥२॥ पवनप्रतीतिप्रीतिदृगदाषी॥दंपतिम
लेदइीतिहसाषी॥अनिंकोउअपपदोसनकाढे॥प्रेमनेमकोउघ्रेंरवाढें॥३॥पवनवा
यकदुहरा:मालतीसमोनप्रेम॥मयुकरसोप्रीतमनही॥कोनिवाहच्येहनेह॥मनसा
वाचाक्रंमन॥४॥पवनप्रीतिमयुमालती॥कोउघरतनकेलेघ॥मसिकागदृग
छ्येलहर॥अहपटंतरयेषि॥५॥चोपइ॥पवनवचनसुनिकेंप्रेमजागे अव

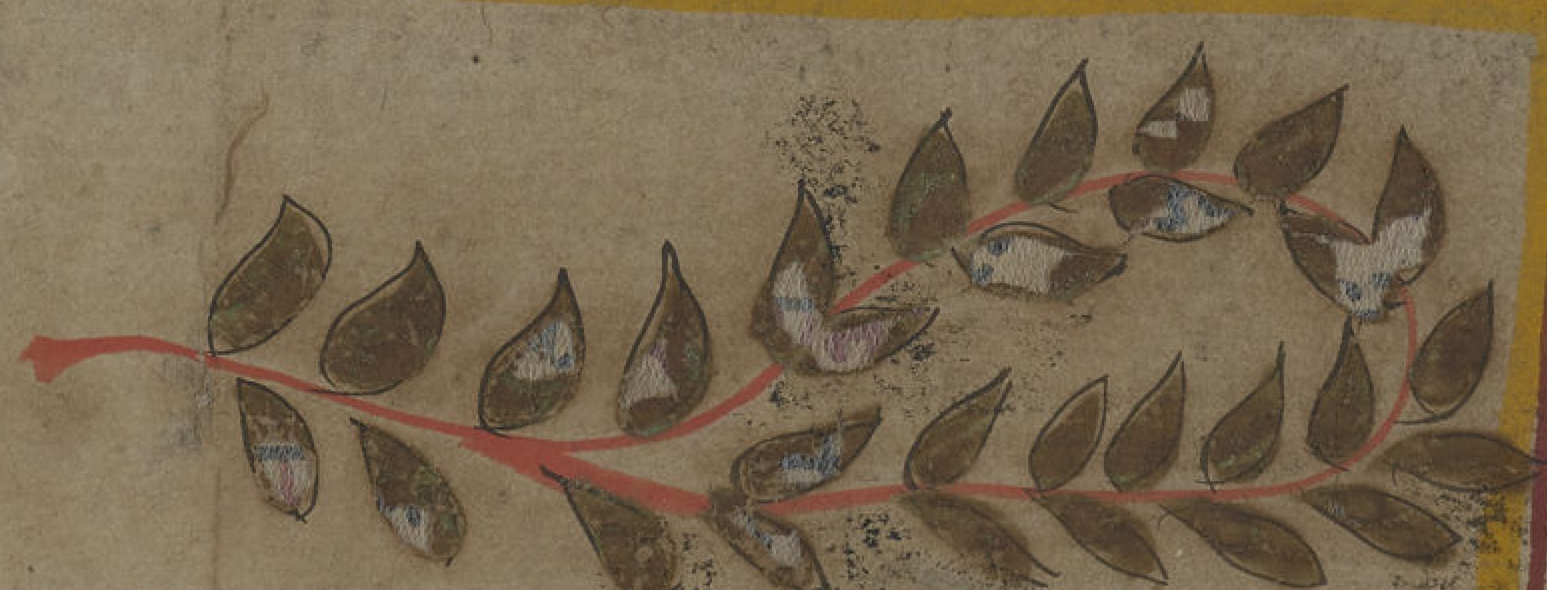
चोपई ॥ छुटे होइ चोरजी ह गेह रही ॥ सो फुनि साय देषि केऽ रही ॥ उनके मन
मैं वैसी बुधि ॥ फुंकततकडु यके दाझे ॥ ४२ ॥ स्यंघनी वायक ॥ दुहरा ॥ मुष मोरि
वलधं हींनक्षे ॥ हाहाकरि धींयाइ ॥ सुनि हो म्रग वचन तु ॥ ता कुं स्यंघन षाइ ॥
॥ ४३ ॥ जे पसु घतगुऊ नंहीं छंडे ॥ सीये चर एाडपायरएां मंडे ॥ रुप सो होखे सी
हत ॥ हिमारे ॥ मद्रजाल गज गिरथे ढारे ॥ ४४ ॥ जगे जातकाज जोग हिऽ ॥ तो फुं
निनाम सीह को लहीं ठेप ॥ अंवर ... सुनल ... किरगारजे ॥ असे करम करतकु
लज्जे ॥ ४५ ॥ श्लोक ॥ असारस्य संसारस्य ... सारं स्याद्देहिनां ॥ वाचा
विचलंतत्तेजेन ॥ सुकृतं जेन हारीतं ॥ ४६ ॥ चोपई ॥ वाचा वंध्य सरगहइी ॥ वाकुं
हे ... देव सब कहइी ॥ झुठे वचन ... कार थकह इ ॥ ... पने सुकृत कु दहइ ॥ ४७ ॥
सुनत वचन म्रग सुचि पायो ॥ तनज्यो ... नी ठगि ... पायो ॥ ... वतु
कहे सोही पैं करीहु ॥ तुम प्रताप का ... तार ... नते ... मेरो
म्रग रसीयो ॥ तुम तो प्रांण न ह ... हारयो ॥ ... नां ... ॥ ४८ ॥

रहो इपरस परिजु कैं ॥ नाकोऊ जीते नां को ऊहारें ॥ वचन पवेरा सुदि मऽ
रें ॥ ६२ ॥ मालती वायक ॥ नरेस रोवर र है पीयासो ॥ फारे व्रछि तरि परेऊपा
से ॥ के सैं तास सेंन करि कहीइ ॥ जो जानेऽ तो मन मेरे हीइ ॥ ६३ ॥ मयुवा
फल की जुष न जल की प्यास ॥ नेन सेंन थी फिरु उदास ॥ मेरो वचन जो
चित दीजे ॥ ... ढील न कीजे ॥ ६४ ॥ मयु रुप पलासि वह ते ढारे
मालती ती वह मन सानंही हारो ॥ ज्यै मन घर ... ॥ फुनि विच्यार
जैसैं करस वंये ॥ ६५ ॥ मयुवा ॥ मयु जंपे के ते ... जो वुझे तो न कसुनां
ऊं ॥ दोहरा ॥ वाढे सकत्ति संनेहा ॥ म्रग संघनि जेसी नइी ॥ मयु जंपे गति ते
ह ॥ संमझि देह छि जीव मालती ॥ ६६ ॥ मालती वा ॥ चोपई ॥ मालती मयु कुं
सवद सुनावे ॥ म्रग स्यंघनि की मोहि वतावे ॥ केसी नइी समझि सुनि लीजे ॥
तो विच्यार कछु ताको कीजे ॥ ६७ ॥ मयुवा ॥ मयु जंपे के ते कगाऊं जो वुझे तो
ने कसुनांऊं ॥ म्रग इक रुपा ही कांम को मातो ॥ म्रगनी जुथ मांझि रहरसा
तो ॥ ६८ ॥ नीलो घरा चर हीदन सारो ॥ व्पाति रस मंत यरे जी उपगारो ॥
म्रगनी जुथ माझि वह प्यारो ॥ ता मे वह करसा प्रकारो ॥ सिंघनी द्रुसटि प
॥ ६९ ॥



जी॰ ऋमम जु विच्यारो ॥ तो तुम गिन का कुं कित तारो ॥१५॥ ग्रगुरि घ ऋायू लात जि
वमारी ॥ नगत जानि करि चरन पधारी ॥१६॥ ऋपे ते परि नां हीं डुखदाई ॥ तुम ऋसे पुर
नसुखदाई ॥ दस हीं नु पदे व़ हित कीने ॥ ऋानि वेद व्रंह्मा के दीने ॥ धरनी ऽ ढवी
चिगह राखी ॥ मानुं लगी प्राह रहुं पांखी ॥१७॥ द्रोपता चीर डुसासन छुरा ऋपे ॥ तें की
पाल ताके कर डुतरा ऋपे ॥ ऋति प्रवाह ऋंतर तन वाढे ॥ ते जग मे ऋपति प्रानि पचा
ढे ॥१८॥ व्रजिर छाकरन चित या रख्यो ॥ तार छांन ते हात पसा रख्यो ॥ मघव़ा मेघ
नारऋपति नाख्यो ॥ पें कछु पें जन पुगी हाख्यो ॥१९॥ केव़ल नांम कर नांमें केसो

१९ स्यंघनीसमयो म्रगवताव़े ॥३६॥ स्यंघनीवाचकं स्यंघनी म्रग सुं वोली वांनी ॥
तैं तो मोहि काग करि ज्ञानी ॥ ऋपसीवुधि ऋाहि तो हि वोरे ॥ जसें डुयघा सदो उयोरे
॥३७॥ काग स्यंघ क्यो सरवर होई ॥ ऽ त्यमम ग्यमचु ऊे छोड़ी ॥ जो रवका ऽ नव हु
फरफरि है ॥ तो सरवर का हा दाख की करि है ॥३८॥ कुंखिम ऽि ऽ कल्ुत हो व़े ॥ साही



चींच ऽ सरवर दोवे ॥ व़े पथर वंधे
पति पावे ॥ व़े कर चीने प्रांन गुमावे
॥३९॥ सुनि म्रगवे ऽ व चन ऽ क ऋसे
घ्रक वे ऋप चल थान जी ऋप जसे ॥
हु तो तो सुं पहली हारी ॥ वचन ट
रै तो गुरु कुं गारी ॥४०॥ म्रघोवाः
श्लोक जेवा छिता द्यं [illegible] चलो
क [illegible] ते साय पे सा विस्मय़ं ती [illegible] ॥ जे
डुंयदरग्य सदिय [illegible] कत्व ॥ फु
त्कर फुत्कर पीवंत तत्क्री ॥४१॥

वरसवीसवाईसमेसोइ।तासुंपरंतरअमवरनहोइ॥८७॥तार
कंन्यांसुंदर।वरसअपठारामयिपुरंदर॥उपरेषनांमतसुसोहें।ज्यादेष
अपरमनमोहें॥८८॥पुरवसमीपअपेकउतमवारी॥पोहोपसुगंयपरमसुषका
री॥कुअरिसहअकरनतांहांआवे॥जाइकेकुंदकेकुंजवनवे॥८९॥अपे
हकहुंचंदकुहुंचंदकुअपरसुनिपाई॥कांमलाअसामनहेजनाई॥फे



असतुतिकरनसदानंहींसेसो॥संकटमोचनवरयतुहारो॥अपेहजानिकेंनें
कनीहारो॥२०॥प्रदमनिदेहअपहीतुमहोउ॥फुनिअपरअकतसंपुरनसोउ
सेवकसुतजिहजांनिविष्याता॥वोहोअजनिवहदोउभाता॥२१॥वारवा
रवारकरिकहीअपे॥अंतरजांमीजीवनकीअहीअपे॥वाहरसुनिकोउवि
लमनकरई॥मेरीदादक्योनमनधरइ॥२२॥मालतीकीअपसतुतिसुनि
लीनी॥गरुडकानिहरिआग्यादीनी॥पंषीदोयअनारंडपठाअपे॥वेगिमयु
मालतीघुराअपे॥२३॥गरुडवेगअनारंडवुलाअपे॥अपग्यालेतसुनतउठि
याअपे॥अपतिवडरुपअध्यानकदीसे॥प्रवतसिलाचरनलेपीसे॥२४॥उ
डेउदरषोहसमातांही॥पंषप्रवाहमानुसिरठाअपे॥नाडपायवेठेव्रछिसेथिर
चुगालमानुंढअपेद्रुमकीजर॥२५॥जरहीमुक्ताअलनेनज्युंअपातुर॥मांनुंचंचको
लकीकातर॥मुनीश्रृगिवाहनासिकेसुर॥ ॥ वोपमांकहुंवोरकिहपर॥२६॥
अपेसेपंछीउडइपठाअपे॥जेसअथवानगिरअपठाअपे॥पवनवेगपलअपेकोमे
अपाअपे॥देषिकटकग्रासनकुयाअपे॥२७॥चुगहीललाहितमचरयो॥आये

करोरसोइ॥सांमुं दुकवनस्वादनहे॥पेकरतुति चल्हे कछुनांही॥ची॥चषचन

व्रछिवंवुरकीछांइ॥वीछुमं... ...रुवो॥नषसषलोको उनांहिउयारे॥

श्लोक नदीतीरेधुजेव्रछ... ...सुरतिनइीमयुकारनकेटो॥करगि

रा... ...कंव... ...होजीअपेठे॥पहलेरूपाइपेगजनसुषैटे

...३॥ज्योदेषेकुंजरहुमडारत॥ज्युमालीमुरीगहीडार त॥दहंदसवागहो

तदहवटनां॥मांनुकिसांनलगयोगडकटनां॥चौ४॥निरषेकुरूपरवांहांवरते

लें॥मुषथेवेचननकोउवोलें॥गहीगिलोलसुंकंकरजोरे॥प्रथमपरा

हारहंतसवतोरे॥ची५॥छिनछिनछिद्रविद्रकरिडारे॥कुहेकाठमांनुंपरे

कुहारे॥कंकरकोटिकोटिविसतारे॥कुंजररूपहेंड वहंडनरूपेसारे॥ची६॥

ऊरीयंषजेसेवगलनकी॥फाटीवांहसाहऊगलनकी॥दसनकीरचल

रनराजे॥तुटीसुंडिनसुंडविराजे॥ची७॥जवरजंगगोरेवरजसो॥कंकरहां

निप्राहारनरूपेतसे॥गजहीघायल्लगेधनमांनुं॥सुनतपस्योचहुंवोर

नगांनुं॥ची८॥न्रपजानेपरचकीआये॥कुकिनिसांनघायस्रघुराये॥

ऊसतुतिव

कनीह



घीर॥मोकरगिलोलकरतादइी॥रूपवहीपरीनहींनीर॥ज्युम... ...दसु

तसुंनइी॥चपा॥चोपइीमालतीवायका॥वहुरिमालतीवुकेरूपेसी॥कोहोमल

घ्रंदसुतनइसुकेसी॥जोप्रसंगसमघ्रोनघ्रोजेंसें॥मयुसुनावोवातनइ

तेसें॥दहा॥मधुवा: चंपावतीन्रपमलघ्रंद॥ताकेकुअरनांमतसुचंद॥



वंसरूपकरि
दियआयो
पासि हमते
व्यापेतीहार
दास दीनोत्व
हिरदाकोहार
दीने अंडाकी
मनवारी ॥२॥



तसु॰ ॥ छप्पा ॥ चोपई मालतीवार्

यंदसुतनइसुकेसी ॥ जोप्रसंगसमप्यो

तेसें ॥ दूहा ॥ मछुवा ॥ चंपावतीनग्रपम

करोरसोइ॥ सांमुंदुकवनस्वादनहोइी॥३५॥ म्यंत्रीवनोराजनीतनांही॥जसें
व्रछिवंवुरकीछांइ॥ वीछुमंत्रसांपकोमांने॥जोग्रपज्मयोन ज्मतनोठांने॥३६॥
श्लोक नदीतीरेषुजेव्रषा॥ ज्याचनारिनिरंकुसा॥ म्यंत्रीहीनज्मयोराजा॥ तासि
राज्यविनस्यते॥३७॥ चोपइ नंदीतीरद्रुमनहचेवहइ॥ म्यंत्रहीनग्रपराजनरह
इ॥ घरिघरिजमतनारिपतिदहइ॥ चरनथ्यकसाथ्ययोंकहइ॥३८॥ म्यंत्रीवा॥
पहलेसोपाय्यकजीवमारे॥ दुजेज्मपस्वसहंससंघारे॥ तीजेपंचसहंसज्म
लिप्राज्मे॥ तिवलुमनं... नवुत्लाज्मे॥३९॥ फुनिज्मेतेपरिवोरुजुलेि॥ चठे
वजाय... रकगुजाथ्यज्मपापथेततुनिनागे॥ तिवतुम्यंत्रीवुिजनला
गे॥ ... पहत्यांबी... ज्मपतेंलोभनछंडीजोइ॥ सवदनकरेसीथ्यन॥ सरज्मवसर
कुजनहा॥ सोग्रपथरोज्मपदीन॥४१॥ चोपइ॥ हांनिलाभकछुसनाजिनपन्द॥ ठ
गियेचुगलजनप्यारेरहइ॥ गुठेवचनरायचितयरइ॥ तोम्यंत्रीनृलोकोनग... करइ
॥४२॥ राजावाय्यक श्लोक॥ सनिपातेषुजेवेद्या॥ ग्रहराजेषुम्यंत्रीडा॥ रणेजंगेषुजेसुरा॥
प्रथव्यंतिलकत्रयं॥४३॥ चोपइ॥ अथासुनिछेदेसो डंची॥ ग्रहराजथोजेसो॥
म्यंत्रीहारेकटकजरेसोसुरे॥ प्रथमिमेतीनतिलकहेपुरे॥४४॥ म्यंत्रीवाय्यक॥

पोद्रुगिजीवनो॥टीटोरीकेनमांत्रेण...
यंकरंतेपुस्यं॥सवलांनिनिवलानि...
93 पनिपातितं॥४६॥ चोपई वाइसज्मपज...
गंमचरे॥सुतकेहेतकह्योग्रपहार॥रा...



...ाइ
...कपासि॥
॥४७॥ दोकरगोडिरउ
...नोरहो॥ सववृतंतपाथ
...लोकहो॥ सुनतवातगजु
...उठिचलो॥ पंथसमो
सारस्थलजलो॥४८॥



सजिसैन्यांहसांवंतचढीआयोआ॥जमरऊसनकुंगहरनांहीं॥सवदलजतन
कीओआपेहत्यांहीं॥६५॥तुरीसैंहसदसचलेहततेकुंजरपंचसहदीसेमाते॥
वारासहंसउंटघिवपाआपे॥मानुंदोऊतेंदयआआपे॥६६॥ताते चलेत्युंहीं चढी
आपाआपे॥देषेपंचसेहंसआपालिषाआपे॥सांवंतअवगिरेत्याहांसुरे॥नृपजांनेस
वधाएलपुरे॥६७॥आगेसांगिपरस्परनेजा॥आपेहपंजरकाढेकेंजा॥आ
तेनृपपरचक्री॥जमरवातसवजुठीनें ॥ डुत च्यारिउहीवेरवुलाऐ
सीषदेनचहुंवोरपठाआपे॥दुरेकटकदेषिकेंआ॥७॥आपनतजनिकोउवेद

कछुअेकनवुक्के॥विपरीतिवातकोनकुंवुक्के॥ढगिदेषदलपरिगयोथोरो॥अ
कसहंसकुंनरआपरघोरे॥७१॥वाकीवोरसकलस्यंघारे॥देवनआभागेकाह॥विचा
रेराजासोचकरेआपनि च्री॥मीआपेवुलयसीयानेमंत्री॥रेनाईयाक
छुमंत्रप्रकासो॥मोकुंनयोजीवकोसांसो॥७२॥हमतोवोरवातकुंहोरे॥आहो
नाइकछुवोरसुवोरे॥तुमसेंमतोनवुज्योआभागें॥तोनाइयातकेफलआगे
॥७३॥ज्योनृपघरोसीयांनाहोय॥तोमंत्रीवनांसजनहीहोय॥ज्योंघटरसकोउ



सुनोराय मंत्रीअवतांने ॥ हूं मनमेंवुधिनको उगांने ॥ निवनीहमंत्रसांपकोअपलो
तवतोवीछुकुंकरनावे ॥४५॥ तेरेमंत्रीतारनसाहा ॥ सोतुमदुचितकीयोनरना
हे ॥ हमसवताकेअपगपाकरी ॥ अतिप्रवीनतारनअपयव ... अहविग्रह
करकनतैंवाढ्यो ॥ ताकीरीसितुमतारनकाढ्यो ॥ पुतकपुत ... सतरइ ॥ ता
कोपिताकोनगतिकरइ ॥४६॥ जोरिच ... मनतोवुरेपन ... निमाफक
रैसवकोइ ॥ चातुरनृपहोयवुकेर्ग ॥ अपकी ॥ तोदुकार ... की ॥४८॥
तामंत्रीकरिसरवरसदीजे ॥ ताकुंकवहुदुचितनकीजे ॥ दुचितकीअपेनृपको
घरछीजे ॥ जसेअपनवायनघ्रतनीजे ॥४९॥ देषोस्वातिकोनवयिवरसै ॥ देषोअप
नवायनघ्रतपरसे ॥ मंत्रीदुचितकीअपेनृपसरसे ॥ तोपंगलसीहवृषवतेस
रसे ॥५०॥ रानोवा: वोहोतवचनकांहांलोकहीअपे ॥ जोजानीअपेतोमनमेंगही
अपे ॥ जगवुकेअपेहकुठीसांची ॥ मंत्रीवनासववयिकाची ॥५१॥ सकलमंत्रीम
लिनृपसंमझाअपे ॥ तवहीतारनवेगवुलाअपे ॥ अपावतदेषिअंकउरलाअपे ॥
पकरिवांहढिगहीवेठाअपे ॥५२॥ सुनितारनअपेहविग्रहवाढ्यो ॥ मैतोसुंकछुवच
ननकाढ्यो ॥ तुकनिजीअमेंदुषपावे ॥ राजातारनकुंसंमझावे ॥५३॥ तोलोअपक

कछुअपेकनवुते तरदिसादुतअपेकयाच्यो ॥ सोफुनिरांमसरो
मयुदेषे ॥ ढिगहीजतमाल तीहपेषे ॥५४॥ दुतवा



ज्याकुलअपानिषदोसइ ॥ जदपिजानीकोउसाधु ॥ तोकिंठनवांच्योहेसधी
हीअपेहाडलपटाध्य ॥५५॥ चोपई ॥ करताकोनअपयांनपकीनो ॥ अत
सहजविनताकोदीनो ॥ ढगिदुमहोघ्रताहि चढिवाढे ॥ अपेरंउअपेवपरं
चोनकाढे ॥५६॥ जोरहोयमघुवरमातो ॥ लहदुरिमातोसोयकीहकाते ॥

रहीविरछकेहेत॥पंथीपथरसुहनैं
ऊपापडंपंमुतफल्लदेत॥१७॥फुनि
तरवरकीगतिसुंनो॥परहितकुंगि
रवाहा॥युपसहेसहिऊपपनौं॥छो
हाकरैऊपवरांह॥१८॥श्लोक॥श्लो
काडपेर्थेनल्हांमी॥कथीतंग्रथको
टिभ्यो॥परोपगारायपुन्याय॥पापा
यपरपीडनं॥१९॥चोपई॥ऊपरये
श्लोकमाहिभ्युंनाख्यौ॥वेदपुरान
सकलऋदिगहाख्यौ॥परउपगारपुन्यं



नहीऊपसो॥परदुषपापसमोनही॥कैसो॥२०॥वोघोवोछीवुधिविचारें॥वडवड
ईकिरतनहारें॥ऊपेतोऊपहीसहजकेरछ्यन॥उतररोहोकेजावोदछ्यन॥२१
[illegible]॥जैतमाल्हहसिमाल्ह तीउरल्माई॥कुऊपरिजीनैमनमेंदुषपाई
[illegible]भद्रितेरोकरुंष्याल्हसोदेषेमेरे॥२१॥कहतोगगनिचंदरविकुं



पाहरुटेस्यो॥न्नारंऽसीहऊमानिदल्लथेस्यो॥नघ्रोसारकछुसमभिनपरइ॥गजतुरंग
सवछुटेफरइ॥४४॥तारनडुरगाकेविरदाइ॥दल्लहल्लवल्लेतेंउठेसंमाइ॥हटक्योसीह
हाकदेगाढी॥रषेमरजाइन्नारंऽकीकाढी॥४५॥रेन्नारंऽवचनचितयरिहु॥हरिकी
ऊानज्योविग्रहकरिहो॥हीनीगरूऽपंषकीडुहाइ॥ऊपग्यामांनरह्योथकताइ॥४६
दोहरा॥ऊग्यासुनतगरूऽकी॥मांन्योवचनन्नारंऽ॥पेहरिषेतनछंडिहे॥ठाढेप्रब
ल्लप्रचंड॥४७॥चोपइ॥ठाढेसीहमाहावल्लगरजे॥सवदसुनतसिगरोदल्लजनै
विल्लविल्लयजेसेमयुमाषी॥कोउसुन्नटनसत्याराषी॥४८॥मढिमनहुऊपानि

जो ॥ मातेतोसुंडिसंचारे॥ तोरिंलुंनं ... उपगारे॥७३॥कउन्नासांगज
ज्यो पोवासिंहमोंसचाहेक्योगयुवा ... सुचपाईतोकुं ... को
व ... रीतन्नाइ॥७४॥ नांमसाहा ... तांवसंत ... यु
वें न्नकेरे॥ मोइविरदकाहावे॥पेंतो ... उपाव
वे ... पायगये ठो॥ काठिकौनप्रांनतोहि ... काहा॥को ...
रता॥दहुदस॥नाहि॥७५॥नुपदलमारिग उपेजिहसारो॥वैठो उपानि अकेला
... सभै उपानिकोउ घेरे॥तोउपरकरनकोनकोतेरै॥७७॥तेरी
कांमषकरककोउ उपायो॥हुंहेनुकरिरायपठायो॥ छलवलहोयतोजुयमं
गि॥नंहीतोमयु उपेहणहरछंडे॥७८॥ उपेहसुनिकुउपरमालतीषीजि॥ दा
सीघ्याकेमुडिमेदीजे॥ डुतठोहोइवोलेगारो॥गरवदेषवाघतेकारो॥७९॥
मयुवाघकं॥मारनकुंजिवयाईप्रवारं॥मयुकुउपरहटकीवहवारं॥ उपहगरी
वउपरिकितषीजे॥ उपसेवचननंहीचितदीजे॥८०॥ उपलषवुधिनरहोय
उपयांनो॥ उनसोंरोसनउपसोउपांनो॥ कुकरकोटगयंदहीलुके॥ रनवा



दुहरा॥ ज्यागतिहनमंयकी॥सोग
तिहैकामंय॥ उपरथवंत उपेह उपयरो
उपारतिपुरन उपेय॥११॥ उपपनी उप
पनीगरजतो॥जगचितवतचहुवोर
विनागरजवोलनही॥ जंगलहुकेमोर
॥१२॥ उपारति उपपनीकारनें॥ चरन
पसारेषीर॥गरजसरेंसभीघ्योरे॥नें
कनपावतनीर॥१३॥ उपति उपादरसन
मांनदे॥ फुनिनोधावरिहोय॥ उपा
रतिवनसुनिमालती॥ वातनवुकै
कोय॥१४॥ मालतीवाइकंदुहेरपद॥
मालतीनतमालतनचहई॥मेरेवचनकुंनमनगहई॥वडेउपापतनदुषसहई
उदीवातकोनमुषतेकहई॥१५॥ दुहरा॥ जीवनपरउपगारहित देषोहोयरनी
उपंव॥ मेहवरषेंवहनीपजे॥ घेवोगएान उपंव॥१६॥देषोहोयुगति उपंवकी॥ फर

दलुन्नारा त्पुगेङस्नकोपकरिज्यांही॥पेंकरतुतिचलेकछुनांही॥२१॥
चषचरनचमरनसुंढक्यो॥सजिसंनाहतासपरिअवक्यो॥नषसषलोंको
उनंहींउद्धारे॥अपलिअपनोसिंगरअमहारे॥२२॥तोलुंसुरतिअइीमयु
कारनकेटे॥करगिलोलअपरकंकरफेरे॥अपेसेजुयकरहोजीअअपटे॥
पहलेआयुगननसुंकरि॥२३॥ज्यों देषेकंगरडुमडारत॥ज्युंमालीमुरीगहे
डारत॥दहुदसावागहोतदहेवरनं... नलागोषङकरनो॥...
षिकुअरवांहांवरतोलेमुष...॥२४॥ उत... वोले॥गहीगिलोलसुं
कंकरजोरे॥प्रथंमप्रहारदंतसव... विदकरिडारे॥कहेको
मानुंपरेकुहारे॥कंकरकोटि...तारे॥कुंजरअपहंडवहंडन
अपेसारे॥२५॥करीपंषजेसेंवगलनकी॥फाटीबांहसाहडगलनकी॥
दसनकिरचिकेलरनराजे॥टुटेसुंडनसुंडविराजे॥२६॥जवरजंगगोरे
वरजसो॥कंकरहांनिप्राहारअमेतेसो॥गनहीधायलगअपेनमांनुं॥
सुनतपरयोचहुंवोरअगांनो॥२७॥अपजानेपरचक्रीआअपे॥गुजनि

नसुंसरेनसुको॥ केसरिजि... ...वरढारेतेहहथेमीङकनंमारो॥दुहे॥ जे



गहनंजांनो॥तोकरतुतिवडेरीकीतठांने॥२८॥श्लोक॥जिसरुष्टोनयांन्याम

कनीरकउ... ामेफरही॥रुपरेषकारनचि... पाही॥जैसेकैमव्लकं रअपलिलागै॥
सचपायसोक... चंदकुंअपरयुकहही॥कुंजकोरहीकरिहोर... नैसी॥फुंनित्रीवली
रंजेताहाकेसी... अंगुरीघ्याहीनी॥१४४
अंगीकटिकियुंब... ॥९५॥नीकीठेहोरन रसीसुचिपरहुं॥तोकुं... तापरिछिदृघंटिका
यी॥मानुंहि... हिम्यंदरआइपे॥कहोसोमालुनितवहीवन... ...निदामें...नी
...नकसि... हिंआपाही॥परिदोपेर...बागमेजाही॥अपपनेकुंज...
मालुनितासनआन्नतदषी॥९६॥ उतथैंचंदकुअपरफुनिआपा...रतकु
रषतनेनकुंजसुषपाइपे॥बोलीमालुनिसहज...आपे॥कुअपरवेगवु...
घसत्याहाआइपे॥निरषतनैंनकुंजसुषपाइपे॥९७॥रुपरेषनीअपचंमनु
ल्यांडी॥जान्यो मालुनिमोहिवुलाई॥सषियनछंडिकैंआपापनआई॥
चंदकुअपरकीसुधिनपाई॥९८॥ मालुनि चंदकुअपरकुंजांनैं॥रुपरेष
कुंनंहीपहचांनै॥तोल्लों चंदकुंअपर त्यांहाआपाइपे॥जुगलपरसिरदरसन
पाइपे॥देषिहोयेंकिरताकीकरनी॥निरषतगिरेविकलहोयधरनी॥९९

सांनयायधुराइपे॥मारिमारिसववोलनलागे॥अहेहसुंनिकुअरिमालुती
जागे॥९९॥दोहरा॥सुनतरोररराजुककी॥उठिउनीदीवांम॥यकयकायु
धीरनधरे॥ढिगिहुनदेख्योस्पांम॥१००॥चोपई



कनीरकउगाई ।। फुनीपोहचेपोंहोंचेछिवपाई ।। जैसेकमलकंरत्रपलिलागे ।।
सचपायसोउमगोरसरागे ।।४३।। नालकमलहारकयरजेसी ।। फुंनित्रीवली
रंजेताहाकेसी ।। पींडीकांमजपनकुंकीनी ।। केवायीरुपपनीअंगुरीछादीनी ।।४४
अंगीकरिकियुंकेहरिछिवही ।। मानुंनुटिपरेअनिरुपवही ।। तापरिछिद्रघंटिका
वंयी ।। मानुंवियतुछगानंकेंसंयी ।।४५।। कनकयंत्रक [illegible] मंडरी
कांमतरकसितोहे ।। कोतुककरीवोहोरिछिवजेसी ।। [illegible] सी ।।
।।४६।। राजहीचरनरिव [illegible] सी ।। गजमरालकेरीगतितें [illegible] रतकु
सुरे ।। मानुंकामडुतहे [illegible] ।।४७।। दुहरा ।। द्वादसअभरन [illegible] ।। फुंनीसं
गारनवसत ।। बलटिसि [illegible] उनकीनाई ।। देषियुंउपेहगति ।। न्च ।। चीयसानुसनत
नसहनहीसोनकुं ।। [illegible] तिउलटीनाईहलीनकुं ।। अंगउपमाचढेसोर
संगारहे ।। फुनिसिरसो [illegible] पाज्रनवारहे ।।४९।। कंठवनायसंगारपें ।। सोफुं
निसोनाहोय ।। विनभुषनतनराजही ।। सांचीउपमांसोय ।।५०।। चोपई
मालतीविनभुषनतनसोहे सोनासुयदेषिसुरमोहे तीनलोककयुनर

सांनयायघुराअपे ।। मारिमारि [illegible] तोसीतनअंदेउमरई ।। पीपु [illegible] रिमालती
ग्यगो ।।५१।। दो [illegible] [illegible] मायकयकाय
धीरनयर ।। [illegible]



हवेरीनयसो प्रसंगकघुवोरसुवोरी ।।५२।। वपुसंनारिरुपापउठिवेठे ।।
मानुमयनवांनतनपठे ।। कुरुपरिचेतिचुंवकिमुसकांनी ।। चंदकुअपरस
वनीरुपकीजांनी ।।५३।। गहीभुजारुपंकउरफरसी ।। मानुछुरिगईमनकरसी

न्यारी।कोसमकेगुंगनकीगारी॥२६॥जैतमाल्हवा:॥मधुरूपेवातमानि
नयारी॥अपनीगरजसहुंहुंगारी।तुंमद्दोउमिल्लनलष्योकरतार।जिव
तिवगंगासोनुंपार॥२७॥दोहरा॥तरुनपुरसगहेवेदविधि।तोलुंकरेसी
ष्यान।जोलोंउरनेदेनंही।त्रीयछुद्रिगवारिजवान॥२८॥चोपई॥मधुसुं
वातनकीउरलाइ॥सषीवुलायमाल्हतीवुलाइ॥अचंकअंानिदामनीकु
दी॥निरषतनैंननअचकचुंदी॥२९॥पटपरचेंत्र्यसतमुषदेष्यो॥रूपवके
रूपसंपुरनपेष्यो॥उपमाकहुंपरंतरत्रीयष्याकोहे।सुरनरनागल्होककोंमो
है॥३०॥वदनकल्लानधिपुरनतरुनी॥कवकोउपमाअवरनअवरनव
रनी॥ससिकलंकध्यरिरतनवाठै॥मुषसोनाहीनरूपतिचाढे॥३१॥वेनीमां
घमधिदेपाटी॥मानुसेरुकरनततेकारी॥तापरिसीसफुलछविन्यारी॥
म्रगमदतिलकरसनदेकारी॥३२॥सुनगचुंहस्यांमतासुहाई॥कलमे
हथसरस्वातिवनाई॥कियुंमनुं●यनुषकरिकरे॥चितवनजोंनवकासि
रछुटे॥३३॥नेंनकवलछद्दलमधुकरपेठे॥ग्रघघंजंनअपारनउरपठे॥

न्होवे॥वियुवनायकल्लाकरयोव॥५१॥दोहरा॥मधुन्हलेछिवनरिषिकैं
वावररूपेकनहोय॥माल्हतीवचनकाहाकहे॥चितदेसुंनीयोसोय॥५२॥
परतिवारामांसल्लो॥चात्रुकमरतपीयासा॥स्वातिवुंदतवहीजरे॥तवहीपु
गेपास॥५३॥मयुवा:वुजिसीयानेलेय॥तोसुंकहुंकितकती॥मांगेम



लेनदेय॥मोतीरूपरमनमाल्हती॥५४॥ज्योंदियमथनजहोय॥रूपेहगतिमन

मूरिसन्नरमनचुलुय॥ विनवुझीवातेंकरोवैमधकरऊपेनाही॥काकुंसुनावैता
सतुम॥८२॥चोपईमयुवा॥मयुनीअऊपंतरीषरहडुलो॥सुनतसेवत्रीचुक
हीतुलो॥कहतउतरवोहोतकजोलें॥मालतीप्रेमअाइमीलेतोलें॥८३॥
८३ ऊपलिमालतीमिलेजीवजाल॥कीनेवेवुपरसपरिवातें॥नतमालसोसमीयो
सुनीऊपे॥ऊपेकमनाऊपेकाग्रहगिनीऊपे॥८४॥ऊथवारता॥ऊपंत्रीषसुंनमरम
रमालतीदोउनकेप्रानसुसंवादन्नयोसोवातमयुकुंपरगैतमालकु
सुनावैहैऊपालिवायकंदुहरा॥तोतनजरतहीदेषि॥मैंदेहीउपरिदही॥वि
घुरननिमषनऊपेका॥सोऊपेतेदिनक्युंरही॥८५॥तोमोहिपुरवनेह॥इतनींपे
कुञीनही॥तेंकीनीगतितेह॥ज्युंनृपमानयातामही॥८६॥चोपई॥यरनिमान
यातागृहयरनी॥तेंकीनीमोसुंवैहकरनी॥त्रीयासुंप्रीतिकरोऊनिकोई
ऊपेहपरंतरवुकोलोई॥८७॥मैंमेरोजीऊपतोपरिदीनो॥तेंपरपंचमोसुंऊपेह
कीनो॥मेरीदेहिथिरहोइनिकटी॥तुवनमैंनवपलवप्रगटी॥८८॥ऊपंतरगतिकी

फुनिविसालराजहिदृगकोऊपे॥मानुमीनमाहावरयोऊपे॥३४॥नासाके
सुकलीवनाई॥कहरीनषकेसुकमुषपाई॥मुकताचारऊलिकतातोही॥
ऊपेंडनपरिज्युंनागनिरोही॥३५॥सुपीवसुश्रवनछिवऊपेसी॥फुनिलछुंसीपरस
तिकीतेसी॥तामाहेकरनफुलछिवपाई॥कुंजकुंभषमानुदेरविऊपाई॥३६॥
ऊपयरप्रव्नारेनिरष तहारे॥फुंनिवंविकेफुलवारे॥तामेदसनसुसकनिसो
है॥निवयोंतपांतसीसोहै॥३७॥ठोढीकमुंदकलीफुंनिकोरी॥सोभाचिवक
तासपरिदोरी॥म्रगमदवुंदतिलककोकाढ्यो॥केऊपलिकजकोरिमुषकाढो॥
॥३८॥ग्रीवादेषिकपोतिलजानी॥फुनिजरावजषनत्याहांवांनी॥चोकी
स्यांमऊेऽछिवपाऊपे॥मांनुकालअंद्रीतरिनोग्रहऊपाऊपे॥३९॥कुचसंचुकि
युंसंपरचाढ्यो॥कुंजकोसकिथुंनारंगकाढ्यो॥तापरिकमषाकीकंचुकदीनी
मानुसनाहकांमतनकीनी॥४०॥महंगाजरदचिरहेनीको॥तापरिजरदची
रजरकसाको॥सुंयेसगवगपरिहैंसुथरी॥मांनुंइंद्रभुऊपनथेउतरी॥४१॥
भुजन्ननालिकयुंनोद्रुमगोन्ना॥केकदलीसुतसुतसुंदरसोन्ना॥तापरिव
लवबोहोतछिवपाऊपे॥मानुंहुवालसिसिद्वैकरनाऊपे॥४२॥ऊपंगुरीकरी

कवहुकसेलकाजिवनफनरई॥मालतीवनांनमनसाथरिरहुई॥याहीप्रीति
अजिलोंहोरी॥पाउलफुलपनमरताहांसोई॥८५॥मथिरऊपेनसमऊताह
होई॥दिव्यदेहिप्रगटेतनदोई॥अतिरससुरतिकेलतांहांकरई॥वासरिनऊं
वेहीतनधरई॥८६॥कीतहकदिनसऊसेंवनवहुई॥अनिऊपंतरगतिकोउन
लहुई॥नकरिसेवत्रीसवपहचानें॥नमरमालतीतासनजाने॥८७॥ससि
वेसं थयो अथमरतिवीती॥विरषासरदकालहोयजीती॥कटिसीतहेमन्नईनर
तीहतोमारीमालतीप्रजारी॥८८॥असेंसमेऊपानदंवंलागी॥साषासिष
मउल केसागी॥हेमजरीऊपनुपावकजरी॥वियनांलुंहारि फेरिगतियरी॥८९॥
सेवत्रीजरकयुहकवंची॥दिनदोयपरच्यारिप्रनतनसंची॥मधुकरप्रीत
त्यहांउरपरखी॥जरतमालतीनेननरखी॥९०॥दिवसदुसरेकीनीफे
री॥कीनेवचनमालतीटेरी॥मैंनरषीगतिसवतुहारी॥तुमसुंप्रीतिकेरे ती
हेगारी॥९१॥चोपईदुहरा:मईनऊपेव देसिअयखान निरषेहे तुतुमनके

पीरनवुकी॥मालतीकोनवुधितोहिसुकी॥वाजीगरलोंमोगतिचीनी॥ढोलवजा
इवातसवकीनी॥९२॥पुरसमरतत्रीयाउपरिजरई॥पेत्रीयाउपरिपुरसन
मरई॥सोमेतोउपरिगतिठांनी॥तैंमेरीकयुऊपेकनजांनी॥९३॥दोहरा:
पुरसप्रेमसवहोय॥त्रीयापरपंचपुरनगढी॥देषीसुंनीनकोय॥नागरवेलिमं
ऊफचढी॥९४॥जतवा:चो:मयुकरवचनसुंन्योजिवऊसो॥उतरमेतमाल
देकैसो॥सोकोनकवरश्रवनदेसुनीऊपे॥ऊपनीसवेनसांचीगिनीऊपे॥९५॥
पुरसकेहसोसवत्रीयासहई॥पैंत्रीयकठोरवानीकीतकहई॥जंपेदीन
वचनमयुकरसों॥तेरेमिलनहेततनतरसों॥९६॥मालतीवा:दोहोरा॥
करताजननमनदेह॥ज्योजनमेतोनेमऊपेह॥केमयुकररसलेह॥केदोंदाकेंमा
लती॥९७॥उतपतिऊकसंऊुर॥प्रीतिहेततनदोयधरे॥पोहोमीनउगेसुर॥
जोऊपंतरजीऊमालती॥९८॥जोकछुजीऊपमेषोट॥सापीसंकरदेकहुं॥कत
नरहेऊपवोट॥केमयुकरपरसेमालती॥९९॥चोपई॥मोतनतुमसुधिकारन॥
प्रगटें॥जान्योनहीनतुमजलेनिकरें॥नोषंऊसपतदीपलोंन्नरकी॥नसिवास

पद्मनऽअंगरामप्यमुष्य।मेरेहितकोइत।माहाजोयहहनुमानसो।कैसैकह्योऽकपुत॥

॥२७॥ऽअंजनीवाक्यंकं॥ गिरसुतकुंऽभस्थनदय्य॥चल्योइयकीयार।तरणफा

टिमोतीरज्यो।ऽनइऽनारकीपार॥२८॥वहहमेरोपैंनापीय्यो।कितहीगय्योवहजोर।वाल

पनैरविग्रासीय्यो।मैंकाअ्रोमुखफोर॥२९॥तुमइतनोकितहुकीयो॥पद्मनऽअंगारै

जोरि।रावनकुंलंकासहित।करतोस्यंटचचवोर॥३०॥सय्यरवंय्योकोनपे।वांदरमा

रेमन्नार।ऽपायीऽअंजनीजलसव।कौनपीय्योवहीवार॥३१॥तिवऽअंगरुतके

सैपीय्यो॥ताद्दिनऽपाय्योसोय्य॥व्राह्मनहुय्येतुपस्यो।मेरोपुतनहोय्य॥३२॥ह

नुमानवाक्यंकं॥सातसमद्रऽपचवनकरुंल्लंकाकेतेऽअेककांम।द्दरहीते

उतरयरुं।पैंऽपग्याद्दइनरांम॥३३॥धरापकरिवोंधीकरुं।जोरुयनाथसाहाय्य॥

पैंप्रभुकीऽपग्यावनां।सकुचिचरान उठाय्यं॥३४॥प्रलयकारजुगकोकरुं॥राव

नकेतोकऽआय्य॥पैंप्रभुकीऽपगपावनां॥सकुचिचरान उठाय्य॥३५॥ज्योकुम

रनांजनयहऽन॥य्यहीयडीसवजोनि॥अडिनंजेफुनि फरियडे।ताकोऽपचिर

नकोन॥३६॥तेजकज्योरुघनाथकुं।ताकोउतरऽणेह।सेससहंसदोउरसनसु

कहीनसकोकछुतेह॥३७॥श्रीरामवाक्यंकं॥वडेकहेसोसुनिरोहो।उतरदये

नकांम।ऽअंजनीकीऽपग्याल्छऽपेचल्येऽपजोय्यरांम॥३८॥इतिश्रीरामचंद्रहनुमान संवाद संपूर्णम्॥

ताकेऽअेहमयुकरनऽपे॥कारेऽपहविच्यार॥५७॥चोपई॥ ठगीहीवृछिसेवत्रीकेरो

सोऽपवतारऽअेहमयुमेरो॥पाऽऽलनमरऽपय्य।तुंमद्दोउं॥वियिकेसेलनजानतको

उ॥५८॥पहलेपुरवप्रीतिसुनांउं॥पाछेवोरवातसमझाउं॥मनमथ्यउतपत्तिहइती

४१



हारे॥प्रेमनिवाहनकुंऽपवतारे॥५९॥मारुतीकुसमवृछितनफुले॥मयुकरप्री

तिजानितेहनुले॥ऽपतिरसलवयमगनऽपेद्दोउ॥ऽअंतरहोय्यनवछरेकोउ॥६०

उरगनीवाचकं ॥ अपरिनाहरगनसरपजव ॥ वंयचितनयरीअपे ॥ जगनाप
तीजेचहुंनकुं ॥ मुअपेदेषिंगरीअपे ॥ १४ ॥ वेंगपोसर्पवाचक ॥ घनगेकेरेपटंतरे
पटंतरे ॥ गजनाहरममकथ ॥ वेस्वापदमहिरषी ॥ पोहोमीपोषेमथ ॥ १५
वेदवहीतअरमंचवसि ॥ सतगुरकेउपदेसि ॥ अपहकुलअपेहमरजाद
मै ॥ सतअपरवानासरसे ॥ १६ ॥ चोपइ ॥ जोसतसहितसिरसाहाअप
नीमथ्योस्वंयतमाहांनेताकवनी ॥ नारायनसेअपहीकीनोआसन ॥ ज्योकों
उल्हेतोकहीनेतासन ॥ १७ ॥ तेंतोमोसुनमुपनकीनो ॥ मुअपेपरिअपपज
सनहीलीनो ॥ अवहुंमरतमरतजनसल्हेहुं ॥ वोहोतकोमेवडेवसतेहिदेहुं
॥ १८ ॥ वेहवंचीतेनोहोअपागें ॥ तामेसरपअपूर्नमासिगागें ॥ कनककरा
लतासपरिवेठे ॥ करपनकारुपहोयपठे ॥ १९ ॥ अपरथ्यओयरनिधरि
नयसो ॥ काहुदीयेसोनअपापनगवायो ॥ यीहनपुतनवहनिनआइ ॥
मरिकेजोनिसरपकीअपा[illegible]इ ॥ २० ॥ अपविपंथीमोवुधिसुनीजे ॥ वंवी
कुतातोजलदीजे ॥ मरेसांपजिवनीतरिनीजे ॥ तिवलुद्रविकाढिकरि

रानीसोंराजायोंनाथे ॥ सीतांरामआइसोसाषी ॥ माहापुरसिइतनोदुषपावे ॥ नर
नारीकीकोनचलवे ॥ ३६ ॥ देवमुनीसरमानसराषिस ॥ सवकोउवंध्योकरमकेरे
वसि ॥ लष्योहोयसोहीफलपावे ॥ वलीपुरषकथुकांमनआवे ॥ ३७ ॥ अवहुंवोर
कहुंअकअसी ॥ मयुमालतीजेतकीकेसी ॥ तुंमतोकहीकुंमारिहोउव्याहे ॥ जलो
आइहमयुहीचाहे ॥ ३८ ॥ गंध्रवलगनरांमसरकीनो ॥ देवचिरतआवेसोकीनो ॥
अवकोहोअपापनकेसीकीजे ॥ ज्याकीमोहिवेगसीषदीजे ॥ ३९ ॥ रानीवाचकं ॥
रानीकहेरायसुनिवांनी ॥ अपारनकारनकुछनजांनी ॥ गंध्रवव्याहनकोउजांने ॥
अपपनेसिरअपपजसहींगंने ॥ ४० ॥ अतीनुंअपेकठोरमिलायो ॥ ज्योत्योहयोहथल
गाअपे मेरेजीअपतोअपेसीअवे ॥ फुनिरावरेगेसीमुषआवे ॥ ४१ ॥ मोकुवुधिदेन
तुमअपाअपे दाकेउपरिलुनलगाअपे ॥ विनव्याहेजगहांसीकरइ ॥ दुजीआप
कीरतिवसतरइ ॥ ४२ ॥ रावरंकलरकनकुंव्याहो ॥ सवकोउअपपनेजसकुंचा
हे ॥ तनतछेअपरलज्याराषे ॥ रानीसुंराजायुंभाषे ॥ ४३ ॥ रानीवाचकंदोहरा ॥
मैअपवलोंजान्योहतो ॥ नंहीव्याहकोसंच ॥ मोसुंनेदडुरायको ॥ सिनाकरेपर
पंच ॥ ४४ ॥ कंन्यांकोउपहांसअेका ॥ दुजेहारेषेत ॥ कवहुकजीअपअसीयरे ॥

तेंजैसें॥ स्यंघनी मनकीनी तनतेसें॥ ७२॥ सतीन्ह ऐसे सोही सतथर ही॥ स्यंघनी
करे सुकोउ नकरही॥ ज्युं दीपक मै पतंग जरि मरही॥ ऐसी सुरनर मैं न्ही कोई
॥ ७०॥ तौं ल्हों रूपाप सीह म्रग मारयो॥ स्यंघनी कारनि मुङि पछास्यो॥ ऐसी गति
किहकरन कीनी॥ वचन पुकारिय्यो पइक दीनी॥ ७१॥ श्लोक जादिनं पतितेवं
ङु॥ मातागवेवुनिर्मतं॥ तादिनं ल्हियतेहेव्या॥ हाङिवधि सुषदुखं॥ ७२॥ चोपई॥
हाङि विधि म्रतिकु [illegible] ॥ सोम्क्यो मिटेंस मेहोई॥ रोऐं हंसें न मां
नै कोई॥ तेरे र [illegible] परि [illegible] ॥ ७३॥ य्हो कहीं सीह गय्हो वन छंडी॥ मा
रुतीकथा कहीये मंडी॥ तुम यु मोसुं कहत वसास्यो॥ ऐसी न्हहीज [illegible]
मास्यो॥ ७४॥ दुहरा॥ मयुमरवो ऐकवेर॥ वारवङे के कंथ चढि॥ रु [illegible]
संसार॥ म्रग उपरि स्यंघनि मुई॥ ७५॥ मयुवा चोपई॥ स्यंघनि ऐह वा ह
कारनि कीनो॥ म्रग मराइ रूप पनो जी [illegible] य्हा मे सुषसयो ककाहल्दीनो॥
त्रीय्हा बुधि ववेक न चीनो॥ मगमराइ रूप प [illegible] रूपदीनो॥ ७६॥ दुहरा॥

तद्दो उ रूपापन॥ १०॥ जिवचित य्हो पनग ज्यां हु उठो॥ चमक्यो कुदि पड्यो तु जि
घोङे॥ हाय हाय हुं घ्ये तें वंच्यो॥ किरता रूप न्य सं पुरन संच्यो॥ ११॥ हुं वंच्यो पें



घोरो ङसइ॥ निस्वारथ [illegible] चां मन [illegible] च सर का [illegible] तिर न्नारि या ध्यकरि मारुं॥
कै सिकार वंधकारि करि ङारुं॥ १२॥ वे पासर पवायकं दोहरा॥ रूपयमुवो
वंच्यो न गयो॥ फुनि सत छोरे सोय॥ सुनि यं थी प्यनगा कहे॥ ऐपेच्या रुं हतेन को

मथुवाग्रकाः सिसिरुपदोतसुरगहीनांनो इहांजलकुंनसहस्रकरिरुपानो सवहीम
प्रतिवुंन्नप्रकासे ज्यौप्रभुजोतिपंडमेन्नासे ॥१२॥ उतदेवीउपेतोउमेकहीरंदपाघरदेवेतो
सहसकचंद ॥ त्रिपैनहीपेनसवजुगव्यापो ॥ उपस्थनरंज्यंनउपामहीजापै ॥१३॥
हंमहीकांमरुपंसरुपश्वतारी ॥ उपेहकघुकहेसोन्यारीन्यारी ॥ समभिहोयसोसमभि
हीमांनो ॥ उपनसमभेकुंउपकथ्यकांहांनो ॥१४॥ इतिश्रीकांमनिवासजोतीसरुपवि
रतरसंवादसंपुरन ॥ कवीस्वरोवाचै ॥ काष्टम्यनेगमकुछमेहै ॥ नाथ्यासुतउमेरा
म ॥ नांमचुचमुजतासको ॥ कथ्याप्रकासीतांम ॥१५॥ उपसउपवुधिउपनादइ ॥ कांमप्रवंय



स्यो ॥ तोलौंमृगवाहांतेडकास्यो ॥ सुनतसीहकोपचढिउपाय्यो ॥ गहीउचेहतं
कुयाय्यो ॥७६॥ तोलौंसीहनीउपाडीउपाई ॥ परीदोरिसींगनपरिन्नाई ॥ फुटेसींग
दोउहुरेउपागें ॥ निकसेपीठिसांगिसेरलागें ॥७७॥ चुकोमृगउद्योसिरकारी ॥
स्यंयनीगरीमोरसिरडरी ॥ निकरीउपांतकरेनाफुटा ॥ वचनप्रांनकीछेंतन
छुटा ॥७८॥ प्रवतसिलापरीज्युंउपाइ ॥ फुनिजोवीजसरगसुंयाइ ॥ वादरगिरेव्रहि



जतमालमयुकुंसमझावै ॥१०॥मयुवाचकदुहरा॥ सवैसीयग्यानपढंछिंतु॥जत
मालसुनिवेन॥पुरवलीपुरवगईवहवासरि वहरनि॥११॥चोपई॥ पुरव
लीवातसवउगरे॥वतोलादिगछपेविनजारे॥तथिवीतीकोउविप्रनवुके॥नीकोंजत
सीग्यानपसुके॥१२॥राजाम्यंतसुंन्योनहीकोउ॥तीनलोकमेवुझोसोउ॥काहु
करीनकोउकरिहे॥न्रपकीप्रीतिनछपागेंसरिहे॥१३॥ त्रेपकत्रीयग्यानपतिन्नर
न्रपवंसी॥मोहनांहीप्रीतिसंपुरनफंसी॥जसैंलताकरेलीकउइी॥तापरि
वोहोरिवकायनचढी॥१४॥श्लोका॥काकेसोचंदुतकारेमुसत्यं॥क्लीववयि
र्थं मदपीलचंत॥सरपोक्षांतिस्त्रीषुकांमोपसांत॥राजामित्रंकेनदुष्टं
सुतंव॥१५॥चोपई॥काकसोचकहुसुन्योनकोउ॥जुवांरहोरसत्यकोहोउ
व्यंद्रहेतकोउसुरनदेषे॥सुरापानव्रतसुचिनपेषे॥१६॥ सरपजातिलाहां
विषहीरहइी॥फुनित्रीयाकांमसांतिकोकहइी॥राजामीतसुन्योनहीकोउ॥
जतमालसाषीसुनिसोउ॥१७॥दुहरा॥ठाकुरमीतनहोय वुझोहोजोकोउ

छपवनकहोयरोहोमोनि॥लिस्कोहेसोहीजहे॥छहकहनसुननकीकोंन॥८॥तुमनी
छहोयरजोगवे॥हमसेवासुंकांम॥पाछेहसोइसही॥सोहीकरिहैराज॥९॥प्रसंगक
मकोनिवासकाहांकाहा॥हेराजामयुकुपुछेहो॥ध्यासंकांमोमनवसी॥समकिकरो
छपेहलंत॥सादेहीसवपेषही॥जुगव्यापेकिहमंति॥१॥अस्थीचरमछामीपदुयीर॥के
सनषलनतांम॥मोकुंछपेहछाचिरजहे॥रहतकोहोकांहांकांम॥२॥मयुवाचक॥ज्या
दनतेपोहोवीरची॥जीवजंतजगतांम॥जबनमयिदीपकमनुं॥ज्यो घरजीलरिकांम॥
॥३॥देहीमेजाग्रतसदा॥जगकीउतपतितांम॥ज्योषोजेत्योपाइछपे॥प्रानसमीपीकां
म॥४॥राजोवाच॥प्रांनकांहांमनमंथकांहां॥न्यारोछपेकछपकठोर॥स्यांनेहुछपेतेसम
झीछपे॥मुढकहकछुवोर॥५॥मयुन॥गोरसमेंनोनतिज्यो॥काष्टमेज्योछपागि॥देहि
मथनतेपाइछपे॥प्रांनकांमछपकलागि॥६॥राजोवाच॥गोरसकोंतोजुगम[illegible]॥काष्टम
थनफुनिहोय॥देहिमथनतिहीकरे॥निवगुरसुनमुषहोय॥७॥मयुव[illegible]ष्वरषो
जनमुछपे॥गुर[illegible]छपेजनवोर॥[illegible]वाचाक्रंमनां॥तीनुरहीनठोहोर॥[illegible]कोदि
सनीकेकरे॥[illegible]दिनमा[illegible]छपेसचुकेनहीं॥सोलहेकांम[illegible]॥८॥
राजोवाच॥चो॥[illegible]नतरेढगिकांमवताये॥छपेतोनेदसवेसुनिपाये॥जोतीसदुप
सवढगिकहइ॥[illegible]छपेनछिपेमन्यारेरहइ॥१०॥जानेनहीनकोउदरस॥सोहुसं
सारसुरगहीफरसे॥छपेहीसमझिकोहोमोछागे॥त्योमोमनकीसंक्याजागे॥११॥



कहे॥मीनगतिलैहैनकोय॥जगडंसनीवारीग्रह॥१८॥नतवायकचोपई॥तुं
देखिनलखिनचितयारे॥मालतीतोअनुकुलविच्यारे॥पुरवप्रीतिजानिचि
तधरई॥नातरिवनिकम्यंतकोकरई॥श्लोक॥१९॥नवअपथंनस्यांमअर्थं
विनकम्यंतकदाचिनं॥प्रज्जलतकेसानं॥अंगारोनचस्यंमका॥२०॥चोपई
अरथनीरटरेनहीकेंसें॥वनिकम्यंतकरीगतिऐसें॥जेसेंजरेकेसके
अरे॥नसमीहोयनपरेअंगारे॥२१॥मधुवाः तुअपवातकोनपैकहई
तुअपवातकोनपैकहई॥पतंगत्यांहादीपकनहींजरइ॥राजकाजकीगतिअे
कनवुझे॥दुजिकुंनीषमांगवोसुझै॥२२॥सषीहुज्यायवातवाकीली॥पाछैंयो
कछुकनिहोप्रकीली॥देषीसुनीनकवहुंकीजे॥अपपनाकुलाक्रंमचितदीजे॥
॥२३॥श्लोक सुस्तिसुरारलोहिना॥परासिरविरोधीनां॥नहींविप्राराजिजोगं॥
नछ्याजोगंपुनेपुने॥२४॥चोपई धरचालोरतिकवहुनलरई॥परस्त्रिस्परअम
तिवीग्रहकरइ॥स्वारथअसनांअपतिहीवाढी॥ताथैंनीषकपालेचाढी॥२५॥
ज्युचिकोरपावककलषकरइ पंछीवोरछीवंत जरिमरइ राजकाजकीवातहे

सारसुरगहीमन

८ मधु

मानुंवानजरूपसतहे॥ प्रगटेपुरनमेन॥ प्रीतिहेतमयुमालती॥५६



चोपई॥ मयुमनसुकाचिसमझिजीरूपमेयरी॥ नीचीदसादिज्यायुयर नीपरि॥ मानुकुंनसहेसकलेजल॥ लज्यानाईप्रांनमेंप्रवल॥५७॥ मालतीवाक्य॥ फुनिमालतीरूपापसवारि॥ दुजेफुलगेंइकीमारि॥ वदन दुरायुरहोकुंनकेंसे॥ निरखवचनवोलओकुंनेरूपसें॥५८॥ फलरूप पुरवदेसिदेगजेसैं॥ तलवरहे...नखायेंतेसे॥ फुंनिमीठेकरुवोहुवेंजेसैं ...रतिजुवतपेजीवडेसें॥५९॥ मयुवाक्य॥ इद्रायणफलसुंदरहोइ

॥तमकिगिलोलहार्य
॥६०॥ रूपाहावानकरिकंकर
कंकरकेलागे॥सिगरेजोय
पंजरहाऽचुरकरिडारे॥केतेव... ...तनयुदा॥
लुरे॥६१॥केतेकाघायलसुरनदुले॥केतेकमुखथेंव
गरवरायुजैंजुते॥केतेकनागिमानुंनसिसुते॥६२
नीमागें॥केतेगजपेरायुपेनागे॥केतेकमयुउपरिचढिरूपारूपे॥सं
करनरखिवोहोतसुखपारूपे॥६३॥मयुनीरवोहोतज्यांहापरिहे॥त्याहा



कोउ छेरे ॥ फुनिजेपोंवाजकुलंगहीफिरे ॥ ... स्यंहरोकिद्र्छठाढो ॥ प
स्योसंदेहराघुकुंगाढो ॥ दू० ॥ तारनतारनकहि... पटेस्यो ॥ इहरूपवसरनहीको
उमेरो ॥ तुराषेकेंकिरताराषें ॥ राजाचंद्रसेनयुनाषें ॥ दीपाद्दोहरा ॥ सुनतव
चनन्नइछाज ॥ तिवतारनकेसरकरे ॥ मोजीतवफलन्नराज ॥ स्वांमियरमचित
मैयरे ॥ दूर ॥ परहीस्यांमसुंकाम ॥ सेवकछ्यंतरदेरमें ॥ ताकुंनरकनठंम ॥ चो
रासीलषमेन्नमे ॥ दूज ॥ श्लोक ॥ मेकतंसकलंग्रान्नप्राप्ती ॥ मेकतंसुरस्त्रीदिजं
मेकतंसर्वयम्मोणं ॥ स्वामियर्मामेकत ॥ दृश्म दोहरा ॥ वियनांरूपपनेहाथसें

उन्मंसीयंप्रथमपढा ॥ फुनिककाडुडुककार ॥ चोतीसअछरसवहीचिन्हे
वारषंडीवहुरिलघ्यहीन्हे ॥ ४८ ॥ ध्यंडतजेमेअछरकह ॥ सुनिमालतीसवसे
८ विलहे ॥ नांमेवाचिनीयअगंमकठ ॥ मानुउद्दुमयंतपठ ॥ ५० ॥ चरनाष्टका
व्याकरणसंमेतो ॥ सारसुतकोसंग... अमरकोकपंगलपरसाति ॥ मानु
जीन्नगहेके... सरसाति ॥ ५१ ॥ ... रूपयिकोपढो ॥ सुनतमालती
जोपंजीव... ॥ निमधउएकमनेलेहे मिलाय ॥ दोउसर ... मैवरन्योज्याउ
॥ ५२ ॥ ... परचेकोउंअछरहे ॥ वचनववेकपरासिरकहे ॥ मयुमा
लतीदोउपरवीन ॥ नांकोउरूपयकोनांकोउहीन ॥ ५३ ॥ ऐकादिव
सगुरअपारनगयो ॥ मनमेगुढमालतीठयो ॥ परपरचेसुंदीनेनें
न ॥ नरषेमयुपुरनमैन ॥ ५४ ॥ दोहरा ॥ न्नइवीरहपेवाल ॥ मयुपु
रषनरषेजेहैं ॥ मानुकमीनेमालगिरीमीनजुंमालती ॥ ५५ ॥ पर
परचोधोरोगहिफारी ॥ करगहेफुल ... दकीमारी ॥ मयुउचोचितुरं
देषें ॥ मालतीवदनकलानायिपेषे ॥ ५६ ॥ डुहरा ॥ चितवतहे मदन

कहीनसकेमनमेअतिषरको ।। जसेंगुंगेच्ववात चरको ।। मोहिन्नइवाहीकुह
सुसरोवेदकठोहरषाइ ।। पचादोहरा ।। वहुकठोहरवीछुलगे ।। सुसरोजनषोव
षसद ।। त्माहांसिषानोकाहाकरे ।। परवसिपरयोकषसद ।। पसीचोपइ ।। उरगांने
षरिकाकीठानी ।। परिवसिपरयोकहीसोमांनी ।। पतापुत्रमलिकेंपैपाये ।। मो
हरुपेकइइसोलआये ।। ६ण ।। तादिनतेलरकाहीरुपावे ।। वंध्योरोजसोनतिही
पावे ।। येंहीकर तदिवसदसवीते ।। योमनमेकछुवोरही चीते ।। ६१ ।। डंगा
38



इश ।। ताकेघातमारनकुंच हेहर ।। अहीङराषजीयसंक्यायार ।।
नाहिनइचेमारे ।। ६३ ।। कांसेडुगयपीवनमुषनावे ।। अहउपरघें

तोलेसकलकरंम ।। सर्वसुकात रुपकतफल अेकतस्वामयरंम ।। ६पा ।। चोः
तारनस्वामयरमतनहेरे ।। मे ।। प्रहस्यंहमुषफेरे ।। मारिहाकमुठकंकरकी ।।
अगपादेतगवरिसंकरकी ।। ६६ ।। पुत्रप्रसकरिनवानी सुंदरीजुन अया
रायरी ।। पापताप हरिप्रवोय सुचरीच ।। सुंदरी ।। आनंदचुयरमयंननग
नगर ।। नाकारी ।। चरचितरुपरचित सुमंनवतुसजेकरिसंकरी ।। ६७ ।।
चोपइ ।। तो वचनर ।। जिषगो ।। संकररुपकछंडिकेदेरी ।। रुपंतरीष
रहिवोलीवांनी ।। पुरनस तेरुद्रकीरांनी ।। ६८ ।। गोरीवाय ।। अहोराय
तोहिनीकीवुझी ।। पहले ।। कायनसुझी ।। वनीयांजांनपतुहीचढिआ
रुपेतिवचेतरोतिवसिरपरिये रुपे ।। ६९ ।। देवचिरतकोउ रुपंतनपावे ।। तुंतो
नृपवोरकछुगावे ।। मधुमालतीनांहीनरदेही ।। अेकप्रानप्रगटेतनवेही ।। ७० ।।
वसुदेवनंदगोपग्रहवासी ।। प्रगटेरामकदमरुपत्ननासी ।। मायामोहसक
लविसतारे ।। अेसेंकरिजुंजारउतारे ।। ७१ ।। दोहरा ।। कुंदनपुरनीमकसुता
देवरुकमनीवाल ।। हरिहरतारे ।। रुपसुरसुर ।। स्यनांसहितसिसिपाल ।। ७२ ।।
सुररुपसुरयनंगमले ।। संपयुसुताकेहेत ।। दयवलोयहरिलेगअे ।। चोदेरतन मधु

कुंन्नावार॥ पैंड च्यारि चलिकैं गई॥ तिंहां चकई कंत पुकारि॥ सवद सुंन्यो अैहे मा
लती॥ ७४॥ चोपई॥ चकई पिय आरत्री यअ जंपे॥ ल्भे उसास हाहा कहि कंपे॥ मोल्ह
तीसुन तरी सितव पाई॥ चकई कुं चांन कसी ल्हाई॥ ७६॥ कठनि प्रान तेरे सुनि चकई
प्रति विद्योग का हे कुं सहई॥ चरन पंषन हीं धरियै की॥ ढिग ढकरे नाम चिंहुवं
की॥ ७७॥ सुनि मालती कहें जल्ल चरनी॥ मो परि परी राम की करनी॥ तु पाई तु

38



तै घ्यस्यो॥ वुढो व्याह करे सो किस्यो॥ ५२॥ दुवल्ला पैं को हो सल्लगावै॥ सो तो सत तेरे ह
हय न आवै॥ जो रन अैं ल्लरिका संगि ल्लेहुं॥ मेरी सव हुं चोट दिहुं॥ ५३॥ प्रात समे ल्लर
का संगि ल्लीनो॥ दुय कटोरा ती ह करि दीनो॥ गिव चाल्यो वंवी ठगि आयो॥ अहि
कंप्यो उपर सीस डुलायो॥ ५४॥ सरप वाय अकं दोहरा॥ चहुं श्रवन की वात सुनि
सो जन इ घट कांनि॥ आगे कछु जल्पन नहीं॥ फुटो मत तो निदान॥ ५५॥ ठरगे नाव
अकं चोपई॥ स्वामी ऐ पे ह ल्लरिका है मेरो॥ सदा काल अव सेवक तेरो॥ मोहि दे



त सो या कु दीज्यो॥ याके हाथ न सुपय पीज्यो॥ ५६॥ पन्नग कु परर
ल्लरिका मो कुं डुग न य पिल्लावै॥ आगे कछु न ल्लपन होइ॥ या को मे अै॥ चो दे रतन

वुकेसुष्याहांनंहीरजनी ॥ जोऊपैसेमिल्लवेसुषपावे ॥ तोपंछीवोहोतपींजरैनावे ॥ ८२ ॥
संकरमयिजोतोसुषपईऊपे ॥ ताकोदुषनऊपेःसहविवोगनरहीऊपे ॥ सुवयोगदुःष
ऊठेंमनवेसें संमऊईऊपे ॥ वागुरिचुंसेंकांहासुषपईऊपे ॥ ८३ ॥ तुंवऊयोगदुषदुरिगुमायो
फुनिसंकरसंकरकाहांऊमायो ॥ पिवपीवषरससवनिसाषायो ॥ वागुरिचुंसुंमोहिव
तायो ॥ ८४ ॥ सरससनरसकीगतिठाने ॥ तुवाल्हीइतनोकाहाजाने ॥ प्रथमसमागमसुरत
नसुजी ॥ वागुरिचुंसोंकाहाविवुजी ॥ ८५ ॥ ~~ससनिसस~~ माल्लतीवाइकदुहरा ॥ मिटैनसह
जसुभाव ॥ जिहविधनांजैसोदयो ॥ स्यंघनिप्रसुतिपरायो ॥ गरजतुटिकुंजरहयो ॥ ८७ ॥



ऊपेपनहींकरे ॥ तोमोरोश्रापरामऊपवकरे ॥ ८८ ॥ माल्लतीवाइक ॥ ऊपानिनिसा
तोतोहिमील्लाउं ॥ कहेतोतोफेकाहापाउं ॥ मोविचि तुजपिगेतीफटे ॥ तोमेराश्रापको
नतेकटे ॥ ८९ ॥ पऊईप्रचारकेऊमायसदिनो ॥ कहीपरपंचसेनतिहाकीनो ॥ ऊसोव
चनमाल्लतीदीनो ॥ चकईकं तामिल्लेसोकीनो ॥ ९० ॥ गाथा ॥ यनिऊमाजिरेऊो ॥ चक
वीसुंनिठुंत चकवाकयसडो ॥ चिरंजीवंल्लवयराात्रो ॥ मेरोश्रापराममिल्लियऐो ॥ ९१ ॥ चो:
पंछीपकारिपींजरैनावे ॥ चित्रसाल्लकेदुवारवंधाऊे ॥ मधिंविल्ला ॥ ऊपेमाल्लतीजो
कीहेघाऊे ॥ ब्रहवयोगकियुंसुचिपाऊे ॥ ९१ ॥ चकईजंपेयुसुनिसजनी ॥ तु





वुखदुरिन होउ ॥१४॥ मातापितावपरे काहा करिहे ॥ सुख्यक्रंमसोहीफर फुरिहे
हु काहु को कझोन करिहुं ॥ मन मेरे सोही वर वरिहु ॥१५॥ दुहेरा: मन कपुरकी छमेक

नोन घसत्र वरघइ जरत वुंद जं षेंनंही ॥ स्वातिसुनत उठियाइ ॥ तोसी पस्वातिको नेक
ही ॥८८॥ नाडुनिसकी नास ॥ अंधकार ही दरसत्यो ॥ चंद्र जानि परकास ॥ तो कमो
दि काहा करतु है ॥८९॥ चोपई हुं पंछी थोरी वुधि मेरी ॥ पढ वेगु चे सोगति तेरी ॥ तुचिकोर
होइ दुरिही ढुकी ॥ मच्छिय्रान यंगम की गति चुकी ॥९०॥ चकई वचन सुनत सुखपा
ई जैं रमालु सिखावेग वुलाई ॥ तासुं वात कहत संकधरई ॥ मतिकर ताकछु विप्री
तिकरई ॥९१॥ मालती वाइ कंद्दोहरा: प्रेम संपुरपासोय ॥ दोजन तेको उनें रखहे ॥ तीजो



करता होइ ॥ जिहा वियना छपेह घट रे रखय ॥९२॥ चोपई दोके वीचि वसी ठन होई

ऋनारीऊपरपठायो॥उतथेकरनव्याहकुंआयो॥१९॥लगनमहूरथसुयल
धायो॥सवमंडपनव्याहकोठपठायो॥मढफफरसिमहलमेपठे॥पानग्रहइग्रह
थलेवेवठे॥२०॥फुंनिचोरीकीसवविधिकीनी॥वोहोतकनकधडाइकदीनी॥



१

पद्मावतीकरनकुंवरिहे॥ [illegible] प्रांहात्यगपकरिमरही॥८॥पठईमोहिकहनकुंआ
ई॥कुंमरितुमारीऊपेहउपाई॥कैयाकोमोहिउतरदीजे॥कतोज्याइऊपापसुधि
लीजे॥[illegible]॥राजासुंनसमहलमेऊपाऊे॥ऊपनोसवपरिवारवुलाऊे॥ताईवं
यकटुवपरिवारहेरानी॥वोलेराइसवनसुंवानी॥८॥पदमावतीमोहिकैहेपठायो
करनवरनकारनऊपढायो॥तुंमसिगरेमलिवरजोज्याई॥निस्तारथहेकोजावड
ई॥९॥साहिनारिजिनव्याहीधंडी॥जाडिवुलितुतापरिमंडी॥ऊपसीवुधिजो
कीजे[illegible]री॥ऊआपहा[illegible]ऊपरकुलकुंगारी॥१०॥सव[illegible]त्लिज्याइकुऊपरिकुं[illegible]
पद्मा[illegible]तितोहिकाहा[illegible]ी॥प्रथीमेऊंनेकहीराजा॥करनवरनहेकोनेक[illegible]
॥११॥जाके[illegible]त्रीयसुस[illegible]ही॥तुकिंहकारनऊंपछेताही॥वडीवडीराजनकीनारी
वेऊपपनेन[illegible]तिवहार[illegible]हान्याइतुंमकाहासुखलहेहो॥पीछेठगमुरकीसीखेहो
कह्योमानिसवयुकहई॥हारिलकीलकरीकितगहई॥१२॥पद्मावतीसवन
सुंकहई॥किरताकीगतिकोउनलहेई॥मांगेतनसुखलहनकोउ॥विनमागयो



दृशीमातिगाढी॥उमहवेल्हाकुठाहरतोरीपाडुषनपावेकवहुवाहोरी॥२९॥तरुन
हेसनवेहमानीवात॥अपागेनईसुकोहोवध्याते॥आयोवयकरहेत्याहाग
ढो॥नयोकसटयंछिंनमगाढो॥२०॥रोकेपंछीनंपावेंजात तरुनहूसपुछेवे

गति कोउकोहोहमार॥कंचनकंकरतजिरच्यो॥गुंजमरचित्रपरसार॥१८॥
कुरूपरिननमल्हताय्योवांढो॥डुषसुषकंमकाऊपपनाकाढो॥तुंममोकुवरजो

२९



ऊनिकोउनल्ही
वुरीकछुहोवेस
होउ॥१७॥मगर
मकोरोहारीलका
ही॥चीयाकी॥
तियाहुथेमाउ
कैतेऊपपनोज।
न्योकरही॥कतो
प्रनतमागकेमरइ
॥१८॥वचनकु
उपरिकेयसुनी
पाठपो॥नृपतिसु
रसैवेमल्लिसम
जाढपे॥विप्रबुल॥



नी॥ च२॥ मल्तीवायक प्रीतमवचनश्रव्ननसुनिलीजे॥ इंगहररहीनीरन
पीजे॥ चढिहतुरंगरूपविविलंवनकीजे॥ चलिहैदुरिदेसज्यांहांदिनदसजी
जै॥ च३॥ श्लोक जत्रजलंतत्रतीर्थं॥ जत्रअग्नितत्रदेवत॥ जत्रनार्घ्या
तत्रग्रहे॥ सुदेसोजत्रजीवनं॥ च४॥ मधुवायकंदोहरा॥ मल्तीयरिहोज

१५

गातकीध्रैतनवळई॥ सि



रसुंमुरहीमिटे॥१६
घवरनवा: मेघवरन
नुकही॥दुमवे
ातेतुमल्हेही॥
नवयिदुमवेल्डीचढ
रूपगकथाकसेवेढ
॥१७॥ मंत्रीवा: ढदी
घनकटिवृछिहैआरी
ताहांहंसवठेवृछिमां
ही॥ हेरतवयकनिकटि
चलिरूपाडी॥ वाकुदे
खिवोहोतदुखपाडी॥
१८॥ नादनवल्लनीक
टनइशिगढी कुयिहंस

दीस-पुछमकी
छऊसानहीपुछ
रानुदनीपुछ
६ सीनापुछछ

पै.८००

ठौ॥ मेरेजसकोकल्लसहीचाखै॥ प्रदा नेगी वाटरकेंदोहरा॥ व्याहीसजाइव्याहकी
फुरमाइतुंमरूपवा। सोहंमपहल्लीकहररहे। दनदसरूपगैसव॥ पउा॥ चोपइ॥ ठा
छैमंरूफसुदरवनारूपे। जंवुपत्रवंसपरच्यारूपे। वरकंन्यादेद्वाररनै ... सां
नमं ... योगजै॥ प्रस्ट॥ ढोल्लदमांमांरूपरकरनाइ। वाजींनिरवजीसुरनाइ। ऊऊ
म्रदं ... ल्लरूफवाजै। वाजेजंत्रनादरसराजै॥ पसी॥ गुनगंध्रवरूपपछराऊन
गी॥ ... तिकल्लाकोकरसरंगी। गाव्हीरागनरतसुयनंचे। मांनुंइंद्रभव



गातकीहैसनव



रूपेकरूमनुंसरइ॥ तोल्लोकनकमालकाहाकरइ॥ ८०॥ चेरीरूपेकउहीवा
रवुल्लाइ॥ सिघइराम सनोवररज्पाइ॥ मयुमालतीदोउनसुंकही ... ओ
तनिहोदेसइीगहारनरहीओ॥ ८१॥ न्रपतिदुतपठओतोहिमारन। हुंसुरतिदेन
पठइीहकारन॥ सुनतमालतीन्रपतिविलखांनी॥ मयुकेकंठदोरिलपरा



नसुरसंचै ॥६७॥ वानेफरहीडुल्यहनिडुल्येहे ।वांधेमोरसेहराफुल्यहे ॥ उ॰ही



नमरसुरहाजनकचोरै ॥ त्र्पानन्नलें ननपावहीचोरे ॥६९॥ डुल्यहे

कोंनिरषेत्रीयग ॥ त्र्आगेहीमुरतिकांम । तापरविनवानेचढे । चितवतमुरघितवा

मनमैंकछुनसंक्याकीनी।किरताहीमित्रसंपुरनदीनी।ऐसेसजोकोउयी
रजयरिहै।।ऐकवारतोल्हौंतोलइऐ।।पा।।श्लोक।।उदीमंसाहासंयीरज्यं
वक्रसतुम।।दू०।।चडंतेजस्यविद्यंते।।तिसदेवोपीसंकती।।दो।।चो:मालतीवा:
गिनानिके।।[illegible]गिस्योदा कोउयरई।।ता।।फुनिपांचसातसौंल्हरई।।न्रपसुउ
सोकोनगुंन:फुल्हहीं [illegible] रीवीनतीचितदीजे।।७।।:तैंगील्होलसेल्लनकुंयारी
।।४०।।मधुवायककेरे [illegible] हें नारी।।विनअपावयकोहोक्यौंलरिहैं।।हा।।हा।।देवकौ
[illegible]सुनिजेत।।४१।। [illegible]पापनीऐतोन ही[illegible]।।मयुकारनसवअपागमसु
[illegible]स्योऽपाइ।।[illegible]सवकेग्रपाकुंउवारे।।फुनिरिविअपागमगोद पसारे।।४२।।पहलो
[illegible]हेत।।काराजा।।नि[illegible] मयूरो।।ढुजेंन्नरकिन्नरकिअवपायो।।फुनितामैंऐह
पसवारधवनमेस [illegible] करममैंकाढौ।।१०।।:मालतीविल्हविल्हइयशुकहइ
वई
[illegible]विहल्लल्लतावढेकयस [illegible] री।।स्वामीऐपर्ववनकीसुधि[illegible]।।पुरनक्रीपाअसु
ग्र[illegible] री कौतिगकरहइ।।मालतीमयुकारनयशुकहरी।।चहुद
पुनर्व
साजीरवोह [illegible] तजिवपरिहैं।।विनअपावयकोनपरिलरिहे:।।१२।।मयुवायक

हुंकुवानकहुंतरकसतुटे।।ने [illegible] हुटे।।५०।।कहुंउ[illegible]
टारी।।कहुंजंवुरआकंहंछाल्हहेन [illegible] रीकहुं कितधं[illegible]।।कहुं
[illegible]कराकहुंछं[illegible]।।५१।।कहुवड [illegible] आरिसवकुंउनकुके
पारसीकरीवगहरीफेरा।।[illegible] युल्होंन्रुधकरनकौन
ज्यूंसुमेरधनयराअवरा[illegible] [illegible]मे।।[illegible]वाहरकीनीन्रपआं
।।५२।।गिस्योकरकन्नवरनके[illegible] सव[illegible]नाऐ।।नरतुरंगतन
तुचानवंच।।जीऐपतेमुऐसेसवे [illegible] सुनतरायमुसऐगुरीना।।ऐ।।ऐ
तोऐमिनऐसेसुंनिपाऐ।।पंचसहंसकेसेंऐपल्हिषाऐ।।उठीवात[illegible]
फुनिपुकारतो[illegible] करिऐपऐ।।डंसो[illegible]मरसो[illegible] [illegible]मा
वातनमोंनेकछुसां[illegible]कछुउठी[illegible]ने
मरमरउपकछुसहरचल्लाऐ।।हुंउकन[illegible]
पांउ।।देरेवेगदमांमोंघई।।वोरचा[illegible]
घट[illegible]राई।।सौंघुरागवजेसहकर

कल्पे ॥ मयुकरज्नो रे मालछतीतजइ ॥ फिरि रूपंतज्याईकाहांरहइ ॥३७॥ गेतवायक
दोहरा ॥ः फल्हहनरूपवेकाज ॥ कसम हीको फरसे नही ॥ रूपवे रूपाकाज्यकाज ॥ मयुकर
रीकेतासतुंम ॥३८॥ मयुवायक ॥ तुं अपवे द्रुम अकज्यें ॥ मयुकरवं... ...गेंवहृजस
ढगिजानिके ॥ परेगिस्यो देरिसुं निजत ॥३९॥ ग... वाः प्रथमस्यंमफलि... केवुके ॥३७॥ ...
रैसोकोनगुंनःफुलहीं... गुमायकें ॥ केसुंक... मरूपतिमलि ॥ ... ... हिपरतीतिन...
न ॥४०॥ मयुवायक के र... वकजानिको ॥ मयु... मरवेहेत ॥ गरवेकुं... ...सति
वचनसुनिजेत ॥४१॥ ...ः नषसम रूटा... ढाइ ॥ नीचप्रीतेकेगुनस्याहां ॥ करहन
फरस्योज्याइ ॥ भमरविलुंवे... गुन ॥४२॥ म...यक सिरयंजरसेजोरची ॥ तनवेद
निकेहेत ॥ काराजानिम... रगरूपे ॥ रूपेहीना... सुनिजेत ॥४३॥ ग्यतवाः चोपई ॥ः
रूपापसवारथवनमेस... ॥ मनमेंम्हेरनमन... हरक्यो ॥ रसलछनकुं रूपंतज्यायद्रुको
फुनिवेहलललतावढेक्युसु को ॥४४॥ दोहरा ॥ मयुवाः ॥ द्रुमवेलीमयुकर फिरोजुगज ॥
नैरसलेह ॥ पनवेवीषदीकारने ॥ सववनढुंढेतेह ॥४५॥ जतवायक चोपई ॥ः

चीयाः रूपासनराखि गाहिवेसें ॥ कर कुवानकुं उपरलइ नैसें ॥ ववाकिवायजे
सैंमुषफास्यो ॥ देकसीसिवानत्यांहामास्यो ॥३॥ फुटेवानज्यायउरऊपरकौ ॥



मानुंप्रांनसंगिलीरूपे छरक्यो ॥ देकुवानहातनेंडारी ॥ कीनोसं... मनरसनारी ॥ री

मेघवरनसेवकाकुरह इ॥देहोगहरज्यांहांम्यंदरकरही॥नसिदिनवुरैनोवतघु
रही॥३३॥कागकह्योसोद्युहरकीनो॥मेमागेसोपहलैदीनो॥म्यंदररैमसिका
ठछढोडपे॥जीठपपरपंचनज्ञानकोइ॥३४॥पुरोढगकाठकोकीनो॥गुफाम्बुदिके
पावकदीनो॥घुहरडपंयेदिवसनसुझे॥गुफामाकिजनखिरिकेवुझे॥३५॥मंतत्र
लोकुकह्योउनअसो॥पुरबवोयप्रीतितमाहाकेसो॥यहातेमोहिपरतीतिनआवे



[illegible]नकेवलमीतकोई
[illegible]सेसरकेजानिवसुयामा
चरनप[illegible]उपरवतचुरे हीटोरीकेडपंडनकही

पाडःरडजतमालवाइकंडुहर॥सुन्नगसरसरसफुल॥प्रेमनछुरेतासकौ॥मयुकरम
नकेकुर॥क्योंतनीसो
हीमिलती॥३३॥मयु
कायकंरह्योमुषयरि
मोनि॥वोल्योहोतोक
छुसुयियरै॥मयुकर
डुसमनकोन॥डपंन
रीतिकुंनमालती॥
॥३४॥गैतवायकं॥
षटरतिवाराहमास
सरसकुसमकोंमयु
रटे॥रीकेडपाकपल्ल
स॥दीसयक्योसरिमा
लती॥३५॥चोपई



रीकेडपाकपलासकराई॥सुघराईसवहीहंमपाई॥मनमैंघ टीवढीनवुझे॥तो
तोहिप्रेमकोहोकांहांसुझे॥३६॥ रोगीतोरोगवरकंपे॥वदडपगयांनहोयक्यो

वे:॥७५॥तु तेरे मारिग कोन ज्याई॥ मोकु घल्ल न हत न कुंउपाई॥ कुंजर

१७ विनां न स्यंयसंगारे॥ मगको का हुविस्वासि रमारे॥७६॥ पुरव व्रोयं जास

सुंहोई॥ ताके वचन न माने कोई॥ उपसे जोरपती ने लोई॥ घुहरकाग न्नई

सो होई॥७७॥ श्लोक॥ नविस्वासते पुर्वं व्रोयस्य॥ सुखवाउपथ म्यं चवा॥

गयम गुहउलुकपुरां॥ काकप्रलोप्ते हुतासनं॥७८॥ चोपई॥ स्यंयनीमृ

गकु वुळ्ळ असी॥ घुहरकाग न्नई सुकेसी॥ के सें करि उनवाइ समारे॥ के सेंगु

मंळ्किकरि वनजारे॥७९॥ मृगजंपे सुनि स... ...वानी॥ मो वुझ लोक हुं काह

नी॥ पं... ...मल्ले सव ऑनी॥ घुहर राम... ...ठांनी॥८०॥ तो लों काग

हुं तै उपा अ॥ ...उपे कंत वुल... ...र सहुन पै सव पाउ रे॥ तामें क

ग्यो काग अंगुरी नाउप॥८१॥ उपसीकु रखु यी तुम करहो॥ तो पंछी सवै उपे षटे मरिहै

राजा गरुड़ की ग्यो तुम जान्यो॥ ताउपरी तु मघ्युहर ठांन्यो॥८२॥ जाके वल्लभ मीत कोई

जंपे तीन लोक जाकै डरकंपे पंचपवन सुनी से ससर के जानिव सुयामा

थ्येठरके माहा सुंहैं वे पुरे चरन पपील्ल परवत चुरे हीटो रीके उपंडन कही

१८ सुखपायो॥ उपपनो म्यंत्री लाग्गे उपठयो॥ उपादर मांन वो होत करि पठयो॥

८३॥ मेघवरन उं हीघहर उपाडे॥ राजा मल्लत उपं कउरल्लाउपे॥ कुसर कुस

रकरि वुळे दोउ॥ वुयि का षेल्लन जाने कोउ॥८४॥ उपरी मरदन सुवाइक कहई



रीळे उपाकपल्लासकरी...

तोहि प्रेमको हे कांहां सुळे॥...



कारिज्याखी:॥ ताको रुपप्रनहेसाखी ॥८२॥ फुनिफुनिवचनसीहनेभाखे
जोतेराजरुपठाहरराखे॥ मेरेमनकीपीरसुंनांउं॥ जोतोपहीनहिचेपाउं॥ ८३॥
मेरेमनकीपीरसुनाउं॥ जोतुमेरीपीरवुकावें॥ हंतोकुंरुपहेजाचनआाई॥
मेरोप्रीतमहोइसीखाई॥ ८४॥ म्रगवोवाः सुनिसीहनीबोल्योम्रिगकारो॥
हमतोरुपाहितीहारोचारो॥ तेरोमोहिविस्वासनआवे॥ कपटरुपतुकितठगे



ओ॥ सारुथेरूपंचरहीछिनमहीम्रि॥ ८६॥ पंघीवाः सवपंछीमल्लिवुकेरुपसी
ऊंऽनकथाज्ञाइसोकेसी॥ मेघवरनम्यंचीसुंकही॥ सारुथेरतटीटीगोरी
रही॥ ऊतानपातनामकहीतास॥ त्रीयग्रग्रभरहेपुरेमास॥ कंतवीन
तीकुरुतुंमवोहरें॥ ऊंऽनकाजिकरोकीहठोहरें॥ ८८॥ ओसायरयरें

कोहोरीतें तिसकोनकुं जीते ॥११॥ ज्युंकस्तुरीम्रगनसाई ॥ मुगतमालगजकंठ
नलाई ॥ मनिधरमन कीगति नंही चीनी ॥ तेरेमंत्रअेइगतिकीनी ॥२॥ दुहरा ॥ः
म्रगमयगजसरिस्वातिसुत ॥ फनीगमुखैंमनीराज ॥ ग्रातें नीरयनखौंनलो ॥
जीवतनउपाइहीकाज ॥३॥ चोपई ॥ तोमेप्रानननंहीकछुअंतर ॥ वियनांउपेहरचे
दीउअंतर ॥ मोमरतैं तुनहचे मरइ ॥ फुनितोमंत्रकाजकाहाकरइ ॥४॥ जतमालफ
रिउतरदीनो ॥ तेंउपपजसतेरेसिरकीनो ॥ जीउपपरपंचमयुमोहिदुराये ॥ नेंकनेंक
उपवनेदवताये ॥५॥ दुहरा ॥ः पलटरप्रांणादू ढीपिंता ॥ मैमनवचक्रमकेकरी ॥ पीउपके
वाइसरीति ॥ तैमोसुंउपेहमनमेयरी ॥६॥ जिहज्याकेजीउपलाज ॥ नेदछे दृतिनसु
काह ॥ सरनताकोकाज ॥ प्रीतिकपटजीहमालती ॥७॥ चोपई मालतीदोरिकंठ ॥
लिपटानी ॥ मेरेचुकसवैदेजानी ॥ उपवतुमोकुंमरतजिवावे ॥ मयुमुनतिफरिनेनदि
षावे ॥ चो ॥ नैतवाइकं जंपेंजतमालतीचोरी ॥ उपारतिवंतकाजवुधियोरी ॥ तेमन
छांनांत्रीगुनसवंयीविं वृदीन्नचईकांमकीग्रंथी ॥८॥ श्लोक नपस्यतिकामाग्रंयो
जन्मांधपंयोनपस्यिप्ती ॥ नपसितीमहोन्मतो ॥ उपरिथीदोषोनपस्यती ॥१०॥

ग्रोत्तविहरनं ॥



म्र॰ कुं मौद चात्र २१

म्रगयोकोमलगयोत्तनजरन ॥ मनउपर्छा जीउपप्रीतमकरनं ॥ चालीहरवे
हरवेचरनं ॥९॥ म्रगनेंकसरिकीवोहोजपाई ॥ तजेठकानोचलेपलाई
वेगहीस्यंधनीआडीउपाई ॥ घरिरोहोम्रगनागिकनिन्याई ॥१०॥ तेरे
जीउपकीरछ्याकरिहुं मनसावाचाकेंचितयरिहु इहसतिसातिकरि

तुंरगपुतराधिपतिमेरी ॥ अनिचाछेसरिहत्यामेरी ॥ वीनतीकरुंजो चितमैंअपा
नैं ॥ हुंजांनुंकेतुहीजानैं ॥ ३७ ॥ अेकमोहोरमोफेनतिलीजे ॥ दयादांनमोसुं
अेहकीजे ॥ पीछीलेतोकुंपोहोचाउं ॥ जोइंठाहररहवेपाउं ॥ ३८ ॥ उरगनावा
ज्योरेनइ घ्रांनतिमोहरपाउं ॥ तोकाहेकुंवंवीषुदाउं ॥ तेरोसेवकसदाकाहाउं
प्रातसमैंअपानिपैपाउं ॥ ३९ ॥ चुपरहवीर अपवहीकछुदीजे ॥ तावनमेरोजी
अनपतीजे ॥ ज्योलोंअपेहदेषुंनहीनेनां ॥ तोनपतीजुंगुरकेवैनां ॥ ४० ॥ पन
गवाक्यंकंदोहरा ॥ तेरोमोहिवचनदे ॥ अपवहीदेउंतुरत ॥ ज्यातेकछुअंतरप
रे ॥ सोहारेंहरतपरत ॥ ४१ ॥ उरगनांकावाक्यंकंदोहरा श्लोक ॥ मंत्रद्रोहीकृत
घ्नस्य ॥ जेनविस्वासघातिक ॥ तेनरानरकंजांते ॥ ज्यावतचंद्रदिवाकर ॥ ४२ ॥
चोपइ ॥ वंयेवचनअपनगदोइ ॥ तीजोवातनजांनेकोइ ॥ दुधकटोराभरिक
रिपावे ॥ अेकमोहोरनतिहीलिअपावे ॥ ४३ ॥ बंधुहीकरतमासदसगिनीअपे
अपागेनइसोचितदेसुंनीअपे ॥ उरगेनांग्रहविग्रहलगो ॥ नयाप्रसंगन
याअपेकअपागो ॥ ४४ ॥ अथअपाडकथा ॥ नगरगांमअमरावती ॥ अपम

३५ सांचोचातुरकाहावेसोइ ॥ मानुंमीनसुअेकतपानी ॥ असेप्रीतमहोइनीदानी
॥ ४५ ॥ सषीचतुराईमैंआपनघाईयो ॥ क्योंहीमेरेहाथिनआयो ॥ जिवकछु
करनीकरतनहोवे ॥ तिवतोअवसतोहिसुंकहीअे ॥ ४६ ॥ श्लोक देवाधीनांजग
त्सर्वं मंत्राधीनांचदेवता ॥ तेमंत्रब्राह्मणाधीनं ॥ तस्माच्चब्राह्मणदेवता ॥ ग्रंथश्लो
कपाछेमें ऽगो श्लोक चिंतातुराणांनसुषंननिद्रा ॥ षुधातुरानांनंवलंनतेज ॥ का
मातुरानांनभयेनलज्या ॥ अर्थातुरानांनसजनेनवंधु ॥ ४७ ॥ चोपई षुध्याअ
रथमेरअपनरागी ॥ चंताकांमकांमकीजागी ॥ लज्याडरमेरेनैनलागी ॥ सुनिरीजत
माल्हतुसागी ॥ ४८ ॥ जतमाल्हतुयुजिकीवाल्ही ॥ मेरीसषीइनमेंतुप्यरी ॥ तोतेदुरा
वकछुनंहीमेरो ॥ मेरोप्रानसरवरसतेरो ॥ ४९ ॥ दुजिकुसकल्लोकनरप्यवे ॥ सुन
तेतोइछेसोपावे ॥ प्रकोकुंनभेदकहीमोसु ॥ पिछेमनकीवुझुतोसु ॥ ५० ॥ जतमा
ल्हजंपेसुनिवाइ ॥ तेंमोसुंअेहकाहासुनाइ ॥ सवजुगअहीदेवकेकैंये ॥ ताथेको
उअधिकनवंधे ॥ ५१ ॥ श्लोक अपागेमेंहोंहेसोअपठाकोंछे ॥ ५० ॥ चोपइमाल्हतीवाइक
अपसेमंत्रसषीमोहोतेरे ॥ कामनअपवेअपेकहीमेरे ॥ मयुरकहतमोहिनिसिवीते

कें॥मध्यावोरभेकंत॥८३॥चोपई॥रांइ॥नांइ॥अरमातोसांइ॥चढीकुवाला॥अपरकाढो

षांइ॥अेपांचुंघरिवाहिरअवे॥अपने अपनेस्वांगवनावे॥८४॥व्रषकेआगेंज्या

यपुकारी॥साचीतुंठीकहतनहारी॥मोकलिइ्डुतरषस्मवुलायो॥उरगांनोसुन

तहीआयो॥८५॥राजाअमरसेनयुंमयारी॥सुनीवाततवन्यारीन्यारी॥रंडीकुं

रुठीकरिगंनी॥उरगांनाकीसाचीमांनी॥८६॥उरगांनांवायकंअलोका॥अा

रज्याअनुचितकंमारंन॥स्वजनविरोधवलस्यरासिया॥प्रमदाजनविस्वासो॥म



नचि[illegible]वारो॥८७॥दोहरा॥अनुचितक्रमआरंभके स्वजनविरोधेवार घटेसं

दोहरा॥ःरांमनांमरसनांररत॥देहीप्रांनअपरप॥उरगेनांसुउपगारका

री॥छंडे॥प्रानसरप॥८९॥चोपई॥अेहीवचनकहीपनंगमरइ॥उरगेने

जीअवसिमनकरइ॥इनतोमोकुंनरमनुलायो॥सुपनंतरसोआनि

कषायो॥९०॥नरीयाकरायकांहांघेल्याउं॥दसपषालुपानीवोराउं

अपतनोसांमोजिवकरिपाउं॥तवतोवंबीकुनल्लनांउं॥९१॥दोहरा॥

साधनारिकेसरकेस॥पनगकेरोगरथ॥सुरसारसमरथको॥जीवतन

अपावेहथ॥९२॥जायनपरिपनंगहे॥मुकताकुंनरमथ॥म्रगमदनाअ

कुरंगको॥जीवतनअपावेहथ॥९३॥चोपइ॥अेहअारंनमोफनंहीहोइ

राजावनांनषोदैकोइ॥अेसववातज्पायसुनांउं॥मेरोत्नागयत्नोसोपा

उं॥९४॥पनगवायकंदोहरा॥उरगेनेकीवात॥पनगेंसुंसिगरीसुनी॥वंवी

तेमुषकाढि॥सनुमुषहोयवोल्योफुनी॥९५॥चोपइ॥रजपुतहोयचुग

लीमुषभरइ॥फुनिघोरोफुहरोमुषनषइ॥अेसीवातनांहीविसतरइ॥

तोकुलदोसवियाताकरइ॥९६॥दोहरा॥ज्योघोरोफुहरोनषे॥चुगलु

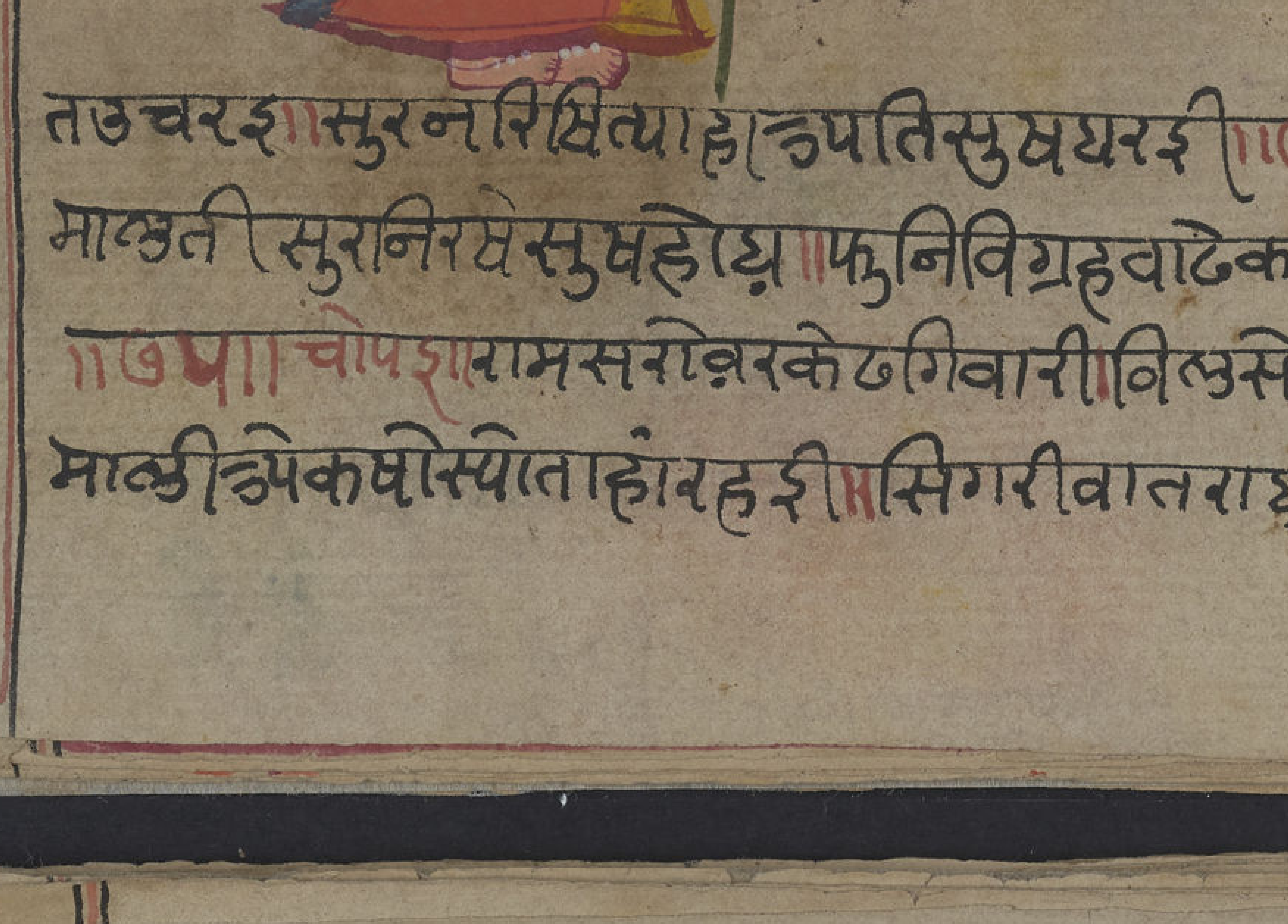
होयरजपुत॥ज्ञानननीगायालगयो॥व्रहवनीयांकोमुत॥९७॥चोपइ



ो चलेग्न
नसीतहें
न ॥७८॥

तउ चरइ ॥ सुरनरिखित्या हो रूपति सुषधरइ ॥७७॥ दोहरा ॥ विन ब्याहे मयु
माल्लती सुरानिरषे सुषहोय ॥ फुनि विग्रह वाढे कथा ॥ चितरे सूनी यो सोय
॥७८॥ चोपइ ॥ रामसरोवर के ढिगवारी ॥ निरषेसे सुषमयुमाल्लती नारी ॥
माल्ली रूपेक षोस्यो ताहां रहइ ॥ सिगरी वात राय सु कहइ ॥७९॥

पद्दाची यशा मते ॥ मृत्यके ढाहर च्यारि ॥८१॥ चोपइ ॥ रूपे कमोहो रपाव तो घोसारी ॥
तापरि मेरी जषत गुजारी ॥ अवध रकछुन रूपावे जानै ॥ वासी रहन कुतावावे ॥
॥८२॥ राजावाचः दोहरा ॥ मह
रीकोयन पुरासि हो ॥ चाकरको
यनरयश ॥ पावे तोनो नधिकरे
वनपायें काहा षायश ॥८३॥
चोपइ ॥ मोफैरोज़ सवांयो
छीजे ॥ मेरे दुरूपारे चाकरीकी
जे ॥ वंवीखो दिषा दिहुल हुं ॥ तो
कुंघर वेठां ही दे हुं ॥८४॥ दोहरा
षोदही विंवीधन [illegible]यो ॥ राजा



वंवीखो ही छे

नरनइार ॥ ७ रगांनो चाकर रह्यो ॥ रंडीके मुष [illegible] र ॥८५॥ श्लोक [illegible] नरस्यपरमर्मो
दुी ॥ तेनना प्राणसंदेहो ॥ जेवदं तनराय म ॥ तेन[illegible]नसंदेहो ॥ [illegible]मिकोवंवीको
रूपही ॥८६॥ चोपइ ॥ तारनम्य त्रीनृपसंमझायो ॥ विश्रंम [illegible] तो सो सवे मिटायो
मयुमाल्लती जे तज्यां हा वारी ॥ चरन वंदे नृप गोदप सा[illegible] ॥८७॥ चरम दृष्टी हुक

परसतावश्रीरामचंद्रअंजनीकोराजावाध्यकदोहरा॥ लंकपराजेसीतलै। चलेअ
जोध्याराम। तपवेंदीत्याहां अंजनी। कीनोतासप्रणाम॥११॥ रामलछिमनसीतहें
अपरचोथेहनुमान। नमसकारच्यारूंकीयो। अंजनीदीयोनमांन॥१२॥



...स्यो॥वाके
...चीपटेचापी॥खं
...नरीकरिवेंकेकरि
...॥वंवीकेरेपनगट्टा
...रनकाइ॥
प्रमुदिरह्योमु

श्रीकृ ॥६१॥

पद्मावतीचीपा... तापरिमेरीव...

वांचीखो हीछे

...दुराय॥जेसेंसांपछछुंदरी। पकरपकरपिघताय॥६॥ मालती
॥चोपई॥ अपसेवचनकोनपेजाये। तोकुहु अपेतोमोकुं कुनराखे
तेज्योचितयरी अपे। तोमरवेकारनकितऊरीत्रपे॥६॥ जनमयरेसो
गमरई। वाकोसोचनकोउंकरइ। अपवऊनिजीअपमेवोनविचारे
सुषदुषलध्योकोउनहीरेर॥...॥ मयुकुंवाधिमंत्रवसिकीनो। उतरनी
हिनीछियकदीनो। निरषतमा... पलुन्नानो। रतिवसंतपाय्यकपिकमी
नो॥७॥ नरअपतिअपपसयांन... सिगरेजुगकुंजीवतउवारे। किर
ताकिहगहरगअगारे। अपतहीअपानिजीयाफेहारे॥७१॥ जेजवातांजे
तउचरई। मयुसोयसुनिकेचितधरइ। कीनोनरमहुतोज्योलाकर। फुं
निज्योंवाजीगरकोमाकर॥७२॥ लीनोलगनवेदविधिज्योंही। परसेपांन
परस्परत्योंही। करकंकनअपंचरगहीवंधे। तुटेनेहवहुरिफिरिसंधे॥७
३॥ रच्याकलसत्याहांअंवुजकरई॥ मयुमालतीफेराफरई॥ मंगलाचारजे



मेउंढोऽन्योत सांपसीतकोमा को नोरन्नइ तवव्होहचढिऽन्याय्यो ॥ वाके
नोरेवे्हीविनाय्यो चरन हावी ॥ चपकीमांनुं चीपदेचापी ॥ लो
योकरिवेगेसुरग अय्योचं पसो आरो ॥ चु ॥ चुमरीकरिवांकेकरि
दीनो ॥ उतफरा वाधिकलीनो ॥ चलेपं रुकछु फहेमनराख्यो ॥ वंवीकेरेपनगदी
ख्यो ॥ ६ ॥ पटिरेन्ीत्लजसरपतुनांहीं ॥ इसतनंहीसोकारनकाइ ॥
पींडीमुख्रतेंफरसेनाहीं ॥ इसतनहीसोकारनकोन ॥ मुरखमुदिरह्योमु ॥६१॥

ऽंजनीवाय्यकं ॥ कह्योरांमकुरामकुंलछिनऽपलछिनजान ॥ ऽपवक्योंसील
कुसीत क्यों ॥ कपुतकह्योहनुंमांन ॥ १७ ॥ हनुमानवाय्यकं ॥ निराऽआहारद्वादस
वरसऽनुयनपुरेकोय्य ॥ लछिनकुंऽपलछिनकह्यो ॥ ऽमेहजीऽपसंसामोह्य ॥ १४ ॥
ऽंजनीवाय्यकं ॥ रामचिरत्रजानिसव ऽपवंऽनिजीऽपमे वीरविधि
कुंवोरऽपलछिनकोन ॥ १५ ॥ हनुमांनवा० ॥ सतीसीतसमिवोरको ॥ पटंतरदीजे
सोय्य ॥ हनुंजंपेजननीसुंनो ॥ ऽमेहऽपचिरजहेमोहि ॥ १६ ॥ ऽंजनीवाय्यकं ॥
कंयचढीलंकागइ ॥ सतकिाहावेऽपाप ॥ तवहीआपनदेसकी ॥ जरिवरिकटतोप
ना ॥ नुमानवाय्यकं ॥ तीनलोकतारनतरन ॥ जगजंपेजीहनांम ॥ माता
ताकिह कहेसोकंुरामकुराम ॥ १८ ॥ ऽंजनीवा० ॥ करताहरतासकलमे ॥ ध्य
तउचरई ॥ भ कनकम्रगचीन्योनहीं ॥ तोविभ्रंमकिनजाय्य ॥ १९ ॥ दोहो ॥
निज्यौंवाजीगर पिश्रुला ॥ हेमोकुरंगोनकदापिवार्ता ॥ त नरघुनंदन
परस्परत्योही परीतिवुधि ॥ २० ॥ श्रीरामवाय्यकं ॥ वेकवहुनोंमटे ॥
सत्यसत्यगोतमसुत ॥ जोतुमकोहोसोसात ॥ २१ ॥ वोरऽपेकदु
२ ॥ रच्याकल ग्रोहनुंमान ॥ ऽपेसमडुजोकौनहे ॥ वलीपुरखनुगमांन ॥ २२ ॥ वंस
ग्रो ॥ सीतंामोहिमिलाय्य ॥ लंकपराजेतोजइ ॥ ज्योहनुंमानसा ॥६२॥



वैग्यासरपवयकं॥ज्योत्स्नोंकांमपस्योनहींकोरे॥ तोल्होवस्लवोल्हेप्रतिन।
रे॥फुनिक्रपेरस्तुछि नसवे वि सारे॥वैग्योफरज्योंवंवीमोरे॥८॥मिल्यो
नको उज्नेद्रवताद्गे॥वंवीकुताताजल्लनावे॥सिगरोमाल्छघोदि घरि



ल्हेजाद्गे॥तिवतेरोचल्लठाहरज्ञाद्गे [illegible] ॥ए॥ठपेसववातसुनीठरगेंनें॥को
वोल्योचित्तद्गेचहुंकांने॥वैंग्योठपनवेंग्योज्पतसापन॥वादविवादकर

अवल्लाकेतीहकपानीन्नरे॥ चितवतकुंनासिरतेंठरे॥ रीतेकल्लसहाथ
पैपरे॥ न्नुल्लीमांनुंविनांम्रतीमरे॥ १८॥ माल्लतीयेहवातसुनिपाई॥
[illegible]युदेखनकुंमनसायाई॥ जोलुंमयुठपपनेग्रहेरहे॥ केतीकनारीरिठ
कानांग्रहे॥ १९॥ उनकेसजनवंयुकछुकहे॥ केतीकनल्लीवुरीसवस

तारनमयु
कुंसमळौ



हे॥ मनकीचाहिकहसनावे
जैसेचात्रकसुवातीकुंयावे
॥ २०॥ ऋपसेनयेश्योसदसवी
स॥ सुनीतात तवकीन्हींरी
सि॥ यहवातव्रपसुनीहेंडीस
काहाकवरसरवरकेतीस॥
२१॥



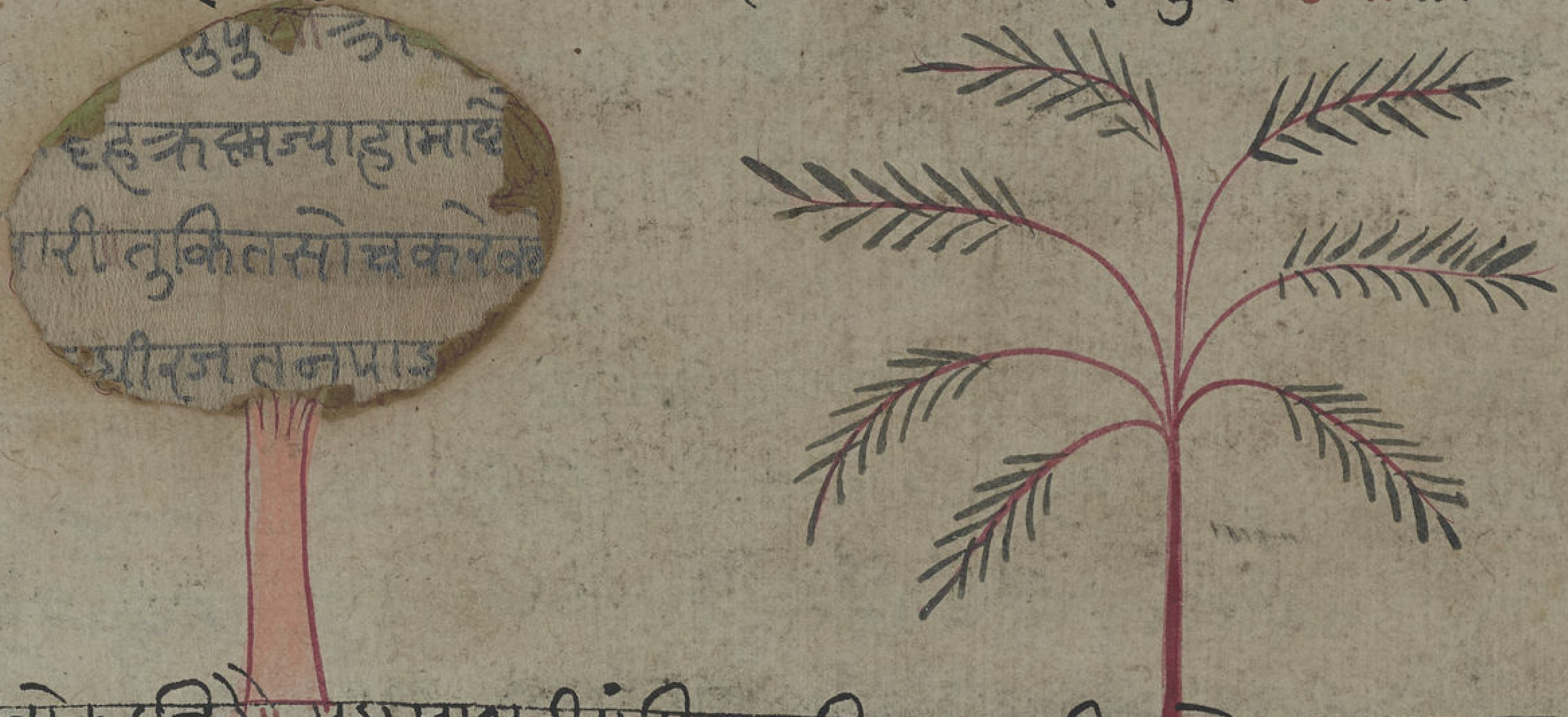
तुरीसहंसऋपेकतारवनाईी॥ चढिसांवतवेगत्याहांऋपाठ[illegible]
घुघेस्यो॥ वनीघ्यांऋपावसवद्वा[illegible]टेस्यो॥ २०॥ मयुवाःकंकरसरफटमकीने॥
हथ्थगिल्लोल्लतराजुल्लीनि॥ सिगरोकरकतोल्लिकेंकाढु न्हींतरवनिकवंसनही
चाढु॥ २१॥ उठ्योपचारिवाहांवरतोल्ले [illegible] नाल्लिठहीऋपवसरवोल्ले॥ गढ
कुठपरम्रवनसुंनिव [illegible] सीनहीं [illegible] ज्यायठपकेल्लो
ल्लरई॥ जीऋपमेंन्वल्लुठाहस्तीयरई॥ ठपफ्फकाकासुनतमरिगेहैं॥
[illegible] चहुंकांने॥ वेंगपो[illegible]

॥१९॥ कंन्यांकी रूप वरण्या को श्लोको ॥ अष्टवर्षा भवेत गोरी ॥ नववर्षा कंन्यां रोह
णी दसवर्षा भवेत कंन्यां ॥ रूप तो ग्रंथ रजस्वला या अर्थकं ॥ १९ ॥ चोपइ ॥ अष्ट वरष की
कंन्यां गोरी ॥ नव वरष की कंन्यां रोहनी ॥ दस वरष की कंन्यां मानो ॥ रूप आगे रूप
थी रजर जस्वला जांनो ॥ ॥ षट् सिवरस का हां लों रहइ ॥ वरप्रापति तो वर कु चहइ
॥ जोवन समे पढवे वर्णाइ ॥ इछत होती सो इछ गि पाइ ॥ वा ही गेह न सुरति को
मंडी ॥ वे हथ्न गो रूपे ह गेल मन छंडी ॥ वारी मां त्रिन्पा या अर्थ कैं पकरयो ॥ जतमाल
तीन्पा या अर्थ कारि जकरयो ॥ १९ ॥ जिव कंन्यां रूप पने ग्रंम वीती ॥ जोरावरी सम
कुं जीती ॥ गंध्रव व्याह राम सर कीनो ॥ प्रथम समागम को रस लीनो ॥ ने
ह पुरवल्लो फुनि त्या हां हुतो ॥ पावें का हां दोउ संजोगु तो ॥ मध्य मंत
गते ॥ पहर पहर लों रूपेक जुगते ॥ १९ ॥ रूपेक तु जे दुजी को मंडे
न ... नं छंडे ॥ फुनि जुवान कांमर समाती ॥ रतिविपरी ... नसुग
को कासन चो ... सी च्याढे ॥ को उंघरनेको उवाढे ॥ घुट ही ... न्रीब्रहितनसु
नै ॥ मानु परे न्ना फिरे हिंडने ॥ ७ ... दसी च्यारि ढगि ही मैं राव ॥ ... युवाल्क
साषी ॥ मो सुं रूपानि कही उनसारी ॥ वे फुनि गिरी ब्रह की मार ... वितीवींहवा
कांम रहित को उ हुन्प ॥ चौ ... पुरष मैं को घ्र ॥ रूपे हर सनी के

1 रूपवतो रूपंतक हुं ऊनी जा वो ॥ मे वा ल्ले ल्करकं न सं गि बावे ॥ ध्यं ङत के ढगि
वठे पढे ॥ रूपे ही वचन कंठ ल्ले चढे ॥ २२ ॥ श्लोक किं कुले न विरूपेन ॥ वि
द्या हीने न देहीनां ॥ रूप कुलीनो पि विद्वांसो ॥ देवता सह पुज्यते ॥ २३ ॥ चौ
विद्या हीन सो चन न हीं पावे ॥ विद्या हीन गंध्रन न हीं आवे ॥ विद्या हीन यरमन
हीं यावे ॥ रूप पढ अकार थ जनम गुमावे ॥ २४ ॥ श्लोक दो दो लोचन सर्वो
॥ वद्या तीन लोचनं ॥ सप्त लोचन यमों नां ॥ रूपकां नी अनंत लोचनं
॥ २५ ॥ चोपई दो दो लोचन पसु पंषी नर ॥ तीजो लोचन वद्या को वर ॥
लोचन सप्त धरम के करे ॥ गं ... की लोचन अनंत उचरे ॥ २६ ॥ नंद परो
हित कीन्हो बोल ॥ ७ ढो महु रथ ... तिक षो ल ॥ जो पढे हे कुं अर दस बोल
दे हुं कनक वरावरि तोलि ॥ २ ... नंद महुरथ ल्डी हो सो ... ॥ भयु कु
दे विद्या पर मोयि ॥ जे जे रूप धिरथ्यं ङत कहे ॥ त ते कुंअर कंठ ल्ले गहे ॥ २८
ऐक द्व्स मिंची के काज ॥ ऋषी पाद ष्टी क ... कुंअर पढायो

४२

गईप्रीतिपहचानि॥कोमधुकरकोमालती॥६८॥सुषदेष्यंकीप्रीति॥ऊपैसीतोवोहो
तककरो॥वेफुनिन्यारेमीत॥जीयेजीवेमुयेंमरे॥६९॥जरीमालतीजोग॥मधु
करकेनावेनहीं॥दिनदोइनंकस्योसोग॥लोकलाजसोईतुजी॥७०॥नरिवोवरि



वोवरिवोकठनिहै॥मधुमालतीसंगि॥जुगविचारनकरिसक्यो॥न[illegible]समलग
वृतऊंग॥७१॥चोपई॥ऊपेहवधिवचनकहेसवनुये॥फुंनिसेवत्रीवृध्दितनसु
को॥सोऊपहीनतेडुजीदेही॥मधुमोफेसिगरीसिषलेई॥७२॥मधुवाय्यक
सेवत्रीऊपतिवातकह्यजाने॥ऊदीऊपापपचासकठांनें॥जीहंवीतीतीहंवा

चोपई॥मातदिवसऊपापनेघेलें॥तापाछेतुमविग्रहमेल्पे॥सोविग्रहतुमहीकों
लागो॥दलजुकाध्यऊपाप्हीनागो॥७३॥सवकोऊपनोपान्पपराये॥रानी
कनकमालद्योंनाथे॥कतीकावातगुपतऊनेरी॥साहिवसुंकोउकहेनटेरी
॥७४॥श्लोक॥ऊपाध्यरक्षतंग्रहछेत्रं॥मंत्रमइथनऊउषदं॥दानमानऊपमा
नंच॥नवगोप्यानकारकं॥७५॥दोहरा॥ऊपाध्यरवंतीघरकेऊवगन॥मंत्रऊ
उषदिमंत॥दानमानअपमानऊपेह॥नवहीरहेऊन्तिऊंत॥७६॥चोपई॥गुपतमं
त्रसोवडेविच्यारे॥मतेवहुंनेसवजुगहारे॥जानिवुक्तिऊपपनोग्रहषोवे॥तोमंत्री
[illegible]वरिनोवे॥७७॥राजावाय्यकंदोहरा॥नालीकेरेतरुनज्यो॥गजकवठफ
लकितहीहोय॥त्तरे॥वेफलऊहकितजाय॥७८॥श्लोक॥नवतवांनव
[illegible]लंवुवत॥गतवंगतवंतसे॥जगन्नु[illegible]तावंविदं[illegible]
[illegible]दीननीरवोरचहुंनीकरवहे॥जलसुकेतीहतीरकुंपषुद्दा

नांही॥तेरो अपतान्ह प्रनहीताही॥७४॥ काव्य मतेजनकुंजनदलनेवहवंतिसुरा
केचितप्रचंडमृगराजवंयेपिदहा॥ अनेकवीरसुभटारनमथ्यथीरा॥ कंदृफद
दृफदलनविरल्लामनुस्य॥७५॥ अरधचोपइ मतगयंदवगरनसुरे॥ फुनि
केहरिहतनकुंपुरे॥ अपसेसुभटप्राक्रमीजोरे॥ पेंकंदृफदलनकुंथोरे॥७६॥
प्रदवनदेहकस्मज्याहामाथे॥ सजनरकोनकरेत्याहांसाथे॥ जाउंवंसअंस
अवतारी॥ तुकितसोचकरेक्योंवारी॥७७॥ जिवजाइकुलकीजतसुनाइ॥ जीव
कछुहकथीरज तनपाइ॥ सुन्योपुरवलोनवअपनो॥ मानुंजागिदेषिकेंसु
पनो॥७८॥ प्रगट्योग्यांनअपस्यानपछुटो॥ जसेरविउदेतिमतुटो॥ सुमरत
केअपेकनांमकेसोको॥ कटिहेपापजमांतरसोको॥७९॥ जतमालतीनो
उपदेसो॥ मालतीरटतनांमश्रीकेसो॥ होहरिजनकतवाध्यसवद्रवहीअपे॥
हअपवसरवीरकोनसुकहीअपे॥८०॥ समरतसुनतसंतपीराने॥ कुठवेदकी
अपेनुगजांने॥ संतनसुतकीवाचाराषी॥ जुगथ्यावेसुनिकैंथ्यासाषी॥८१॥
जनउपरायाकोटिअपकरइ॥ तुमदयालप्रभुचितनधरइ॥ अवगनज्यों

वनसुके॥ परघरकाहापरोसनिवुके॥८२॥ मधुकरउहराः जरतमालतीदेषिमधु
करतोतवहीजस्यो॥ सोप्रीतिअपवपेषि॥ मुअपेंविनेकोउव्रोतस्यो॥८३॥ चोपई
मुअपेंविनकोउसरगनदेसे॥ मुअपेंविनकोउप्रीतिनपेसे॥ मुअपेवनकोउप्री
तिनजांने॥ विनप्रीतिकोउवातनमांने॥८४॥ काज [illegible] हकवात
दृगदाषी तेतीहकतेरेअपागेनाषी जोअपे [illegible] गुअपे
तोसांचीतेरेमुषतेमनीअप॥८५॥ मधुकरः मा [illegible] केअपपनोग्रहवेके वटे॥ फु
निवातोनवपल्लवप्रगटे॥ साषापचव्रछिजघ्योतवहु॥ मानुदेयचन्योंन
हीकवहु॥८६॥ अपलिकेप्रांनपवनसंगिरहई॥ मिलेसंगआगजानिमधुमहई॥
प्रीतिपुरातमसोसवभुली॥ वनमेंसहजअपापनेफुली॥८७॥ मधुकरप्रेमसं
पुरउगदाख्यो॥ अंतरेरेषअपनोजीवराख्यो॥ केतेहेकदिवसवीतिजेसेंकरि॥
मालतीविहोरिसीतपावकजरि॥ त्याहांसेवत्रीकहसुंनाई॥ अपहतोअपंतर
कछुनेदनआई॥८८॥ मधुकरअपवरवहुततांहादेखे॥ मालतीप्रीतिनंहीपेखे
अपसोजानिहोयसोपुरो॥ जीहघरिआनिवुवाउंमुरे॥८९॥ अपछिवाःदोहरा

विग्रह ते घर छीजी ऐपे । विग्रह ते घर ज्याय । विग्रह ते विग्रह वढै । काहा रंक काहा राय
॥ ७४ ॥ विग्रह ते राव न गये । विग्रह के रव पंडव । ज्या हो ज्या हो विग्रह वढ्यो । त्या त्या हा हु
इन मंड ॥ ७५ ॥ सरप वाक्य कं मेरो कछु दुःख न नहीं । सुनि उरगं नां राव ॥ पुछ
सो कतो कु दहे ॥ मो कुं डीगा धाव ॥ ७६ ॥ वेर वढ्यो चित हु न भल्ले ॥ जो रे मन वेग
ग ॥ जोवन तैं तन परजल्ले ॥ सा धा जल ज्यों हपग ॥ ७७ ॥ तेरी मेरी प्रीति थी । सो स
व निवरी अपाजी । तु तेरे फल पाल पाय हे । वा चा सं कल्प का ज ॥ ७८ ॥ अह



सुनि उरगं नां चल्यो ॥ सु न कु सद गति ख्याय ॥ त्रीया । सुस व वातें कही । वेहक
हुं जी अपन प त्याय ॥ ७९ ॥ ते व्वर का कुं दुख दीयो ॥ छोड्यो ले कहुं अंत ॥ मो सुं ने दुःख

मार मार सव वोल न लागे । अपे ह सुनि कुअरि मालती जागे ॥ ५९ ॥ दोहरा :
सुन तरो रिर राजकुल की ॥ उठी उनी दीवांम ॥ यक यकाय धीरन य ~~ही~~ रे ॥ ढगि हु
न देखे स्यांम ॥ ६० ॥ चोपई ढगि देखे मयुकु अपर हे नांही ॥ मालती वलु विवदन
नडी त्याही ॥ जत मालु गह उर सुं लीनी ॥ कुअरी विकल देह कित कीनी ॥ ६१ ॥
तु अनिजी अमे अवर विचारे ॥ मयुकु अपर कुं को उन मारे ॥ काम कुंअर स पुरन अव
तारी ॥ याकी अपक लिवात हन्यारी ॥ ६२ ॥ तीन लोक सिगरे इन जीते ॥ अप
से यलु वो होत इन कीते ॥ सुर मुनि असुर नाग नर जोइ ॥ याप स कल रहे
नही कोइ ॥ ६३ ॥ जोग हीय जीन हुं मन मार्यो ॥ इन उन हुं केरो तप टार्यो ॥ ससि
सराय याके गुन पाये ॥ इंद्र सहंस न गअंग लगाये ॥ ६४ ॥ गोतम नारि सि
ला इन कीनी ॥ जालंद्र छलि वृंदा लीनी ॥ करि उपाय कीचक मरवाये ॥
इन सिगरे जुग यलु पिलु अे ॥ ६५ ॥ या गुन नील नी नई गोरी ॥ चुके या न लु
गेह रअेरी ॥ इन ही काम वान उर ~~ल~~ अे पारे ॥ पारवती नें जरत उवारे ॥
६६ ॥ जोवन रूप ज्यां हां लो जोइ ॥ सो प्रतिवंव कांम को होइ ॥ याकं द्रुफ दल न सु

सवकागमिलिकेसीठं वरनकेमनमानी ॥२२॥ चल्लेकागमिलकेके
काज ॥ ताहाडपाअेजाहांक इनराज ॥ गोसेवठिवसीठयठाठपे ॥ कहीयो
मेघवरन झीहाडपाठपे ॥३०॥ गयेवसीठसंदेससुंनायो ॥ राजासुंनतवोहोत



डीगाफिरावे ॥ साय्यकज्यो फुल्हतफेरो ॥ मनमेगुठमुढपेहेरो ॥६४॥ दोहरा ॥ नेहतके
डीगेहतुं ॥ सिगरोयनलेजांव ॥ अहीलकेविगरेंडसुं ॥ प्रथमनहुविगराव ॥६५॥ पन
वायक दोहरा ॥ हुतोवांछोवचनको ॥ नातरि पहलीबांव ॥ सारेकहुंककुंडसुं ॥
तीसकोसलेजांव ॥६६॥ चोपई ॥ पेहल्हरिकायाकीवुधिकाची ॥ धारिवाढि
कयुल्हनसांची ॥ ताकिताकिठपरडीगलगायो ॥ लागतडीगरपटिकरिषायो ॥
॥६७॥ डसतहीप्रांनतुजिगयोठपागो ॥ काकुंडंगसवलसिरलागे ॥ नीठिनीठि



वंवीमेपायोवाकेपतासांकसुयिपायो ॥६८॥ ठलगोनवायकदोहरा ॥ ॥६३॥
मोक्षंमहुमेयोंलछो ॥ तोलौंयनपायो ॥ जिवरंडीविग्रहरच्यो ॥ तिवयोफलपायो ॥

२

श्रीरामाय नमः श्रीगणेसाय नमः श्रीगुरुभ्यो नमः श्रीसरस्वती नमः ॥
वारवार विघनां वरपाऊं ॥ संकरसुत गणपति मनाऊं ॥ चतुर हेतचि
तसहरष राऊं ॥ सरस मालती मनोहर गाऊं ॥१॥ लीलावती
लछतिके देस ॥ चंद्रसेन तांहां सुध नरेस ॥ सो नागर्यां मयुज गगनि
प्रवेस मनुं मंडल रचो … ॥ लीलावती नगरी को वरनन मंडो है



९

कुंवात ॥ जाठर बुधि हम जानी नाहि ॥ अब … वारे वीच्यारो काही ॥२१॥
जातो मीठ पतु मरावो ऊपाजि ॥ बुधि प्रसधि … काज ॥ तब ब्रधि हंस कहै सु
निचाय ॥ बुधि एक मोहे ऊपजी पाय ॥२२॥ म्रतक रुप करो तुम ठप वही ॥ वय
कमरं मन जाने के वही ॥ ऊपसे मंत्र करि वाचि हो ऊपाजि ॥ नह चैकरो सरोव
रराज ॥२३॥ जैसी कही तैसी मति कीन्ही ॥ म्रतिक रुप करि सबने लीन्ही ॥ व
यक ब्रधि परि चढो पचा… ॥ चहुं य्य फंद ऊपाका सलेडारि ॥२४॥ वयक कहं
सकुं ग्रह डानावे ॥ देषे म्रतक वो हि … दुष पावे ॥ कोन ऊपजा छि जाती की प्रेऊपा
जि ॥ गए प्रांण मोहि नयो ऊप काज ॥२५॥ धाकुलेजा तोन ग्रमंजारि ॥ पावतो
द्रिव्य हंस को ऊपपार ॥ सो चेव यक दई सब डारि ॥ … रन लागो ब्रधि गवार
॥२६॥ ऊठि हंस ज्ञ… ऊपेक ठोर ॥ दुस टधि साड करे का हा दोरि ॥ … तावात स्यंची
कही सो होय ॥ संमति वच्यारि चली सब कोय ॥२७॥ ऊपसी बुधि तुम करि हो ऊ
पाव ॥ न्यु ऊपावे त्यु ऊपनो दाव ॥ स्यंची कही सो सब मति कीनो ॥ तेरो वचन
प्रमान करि लीनो ॥ ऐही वयि कोन सब कीजे ॥ गुरु थे मरे तो विस का हादीजे ॥
२८॥



अपाऐ ॥ बोल्यो हो कोन मंत्र अपव कीजे ॥ दिवस अरिशीह ठाहर दीजे ॥ १२ ॥ मेघवर
न अपवऐह चित दीजे ॥ अपणो वैर दारू देल्यीजे ॥ काचो मंत्र कनु नही कीजे ॥ अप्
विधि होइ तो यूं हर छीजे ॥ १३ ॥ मीठा वचन देउ जौं साकर ॥ भिल्यि हु ज्यायू केती
हारो चाकर ॥ वहुत कथा नि ठगा बोल्या कर ॥ जारो गुफा मा त्रिग हीं ठाकर ॥ १४ ॥
श्लोक अपरमा रेम्र ड्रुमा वेनं ॥ गात्र स ल्दी लवु धि विन ॥ अपर नासा तिनत्यं ॥
अथा वेल्ही मा हाद्रुम ॥ १५ ॥ चोपई सुधिम रुप लठता द्रुीम चवदी ॥ कोमल

२



आव्हपे॥मयुकुंतारनग्रहपमव्हपे॥ उहीवरि ॥ घ्यांविपरवुल्लाव्हपे॥दोउकुव्हपरि
केव्लगनव्लघाघ्ये॥दुहा॥जतमाव्लसद्दगुरकीजानी॥ज्योमाव्लतीज्योहीमनमा
नी॥दोउकन्यांअेकमंढफव्याहुं॥मेरोव्हपेहयरमउपाउं॥टीगाकनकानव्ल



रानीवाः घरमव्याहव्हपेहतवहुकरते॥ताेव्हपसेयंयेकितपरते॥कंन्यांकोउपहां
सनहोतो॥पहव्लेसंमळिपरीगीव्हपजोतो॥दुहा॥तिवकाहुकोक्रझ्योनमान्यो॥जोकी
नोसोव्हपपनोजांन्यो॥हाथीयोनासवैनुकाव्हपे॥तवनव्रपव्हपपनेयंमपरिव्हपाव्हपे



तुजिठाहारडुजोव्रघिमंडे॥२१॥वगहीवाइसवोल्लपठाइ॥मिल्लिसिगरेउठाहरा

कीनो केरो ॥ सुनिसवाह दिसरते होरे ॥ मंत्रसुजस फुनीसु मरनकरइी तुंतुं



अलिसांमुहविसतरइी ॥ वेसरसमे करकचलिजपाछो ॥ मयुकुअपर सुनत

छुनजां ज्यों ॥ मानसदेवकाहापे ह्चांन्यो ॥ मेरो रूपवगनसवे बिसारो ॥ रूपेदोउ
कंन्यांराजतुंभारो ॥ ८७ ॥ सुषपावतीनसजिकीनी ॥ नगरमाहि चल्लवेकीकीनी ॥
घरियरितोरनचइवयाइ ॥ कनकमालरांनी सुषपाइ ॥ ८८ ॥ दोउपालषीमहलमे



कीनोसयलअपाचारविच्यरहे॥ जसोअपपनोकुलकोवुहारहे॥२१॥ महल
अपटारीसों येलीपी॥ अगरअपवीरयुपसुंयुपी॥ मल्लिरनवासस्वअपेहैअपढी
पद्मावतीसुनेहरपढी॥२२॥ करनकुसमसेझोंसुखकरइ॥ कुअपरिताहान्याइ
२४ सुषकरही॥ पीढीगहपाटिढगिडारी॥ पंलगटेकढगवढीवारी॥२३॥ चनरेषाता
हाचेनलागी॥ देषतनैनसवेअंमजागी॥ पहरअेकलोंलडिहिनचीने॥ नसेत्री



उठियाअमो मालुतीदोरिकंठलपरांनी॥ वोलेजनतमालुकाहावांनी॥४८॥
दीरोकअरवचनअपतदीजे कामहीकाजकिरचकोकीजे॥ नंहींतोरेंतुदहु
मजोइ॥ कटेनतासकुहारेकोइ॥४९॥ कीरनफेसवकरटकसुवाउं॥ त अपेहपर
तीतिदिषाउं॥ अलिकेऽसतजीवतउवरई॥ तोकोउअपानिरहांजुयकरइ॥
॥५०॥ अपावतकेसैंवढिकंझेरो॥ कुघिसीयपांनीचातुरनाषी॥ यसा॥ तोही
सुंनांउंसाषी॥ ज्योलुंज्याकेसेवकलरइ॥ तोलुंराहिवजुयनकरइ॥५१॥
अपावतकेसैंवढिकंझेरो॥ चुअपरमुहारमाषासवछेरे॥ ज्योटारेकहुगि
रिपगारी॥ त्यो … लिउलटिसं … पंपारिडारी॥ विरचेजवरकरटक … ॥
जैसेटीडिसे … कुषाअपे॥ कोरि … अपेकअपेकतनलागे॥ मानुं … छ
तनदागे॥ हंसवरनसवसुनटउजारे॥ पलमेजअपेकागसेकारे॥ जमरमुह
लमाहनतेंचाढे॥ मानुकारटककांमरीवोढे॥ ऽसहीजंमरमांनुंपुरनवीहुं
झझकितुरीपुगकारिहैंपीधुं॥ जोयाझुझनकीगतिहारे उंयरमुढजअे
मतवारे॥५५॥ तुरीत्यारघरिकरअपपाइ॥ घरिमारेमयमध्यसिपाइ॥

ध्यानेंन्नाछिसदृनिी ॥२४॥ हालैनव्रतेमैनवोल्लनकोउ ॥ चित्रसुनारियेरेम मुंहदोउ ॥
सुथेसाजनहीकोउफरसै ॥ मांनुंअंगदाके थूंतरसै ॥२५॥ चनरेसापेरहोनज्या
ही वचनमेंइअेककेहसुं नाई ॥ पदमावतसवेरसोवही ॥ नीजतकांमरिनारी
होवही ॥२६॥ अेहतोसठिरमेंहैं छंडी ॥ तुइकसठमीतापरीमंडी ॥ साठिरठपमलनि
सजागी ॥ वासठिवोहोरिकोनलोलागी ॥२७॥ मनसुंसंचरिदिवसंनारी ॥ के
वसचानकेथुटेगारि ॥ मेरेनेनकवहीकेहार ॥ स्वादनउपज्योपथरकारे ॥२८॥
दुहरा ॥ प्रथमसंमागमरनिअेह ॥ जियउनिडरपेवाल ॥ चोरचन्देंपिछता
ईहो ॥ वेसाठिनकीजाल ॥२९॥ चोपई ॥ षटरस • स्वादव्रषवकाहाजाने ॥ अं
धोकाहाप[illegible]घान ॥ जाकै वीतीस[illegible]बिथावेदकुंकाहासुके ॥३०॥
पदमावतीवारकं ॥ दोहरा ॥ सेजवनाईपोहोपरचि ॥ सों[illegible]कसव
रि ॥ अबहुंअेसक्युंकहु ॥ आवववल्लमोहिमारि ॥३१॥ [illegible] जनकरिमंजन
कस्यो ॥ लहैंगेोय[illegible]स्योउतारि ॥ अवहुंअेसैं क्युंकहुं ॥ आव वल्लमोहिमा
रि ॥३२॥ छकेपंजेमैं थरि ॥ पीवपासागहणरि ॥ अवहुअेसैंक्युंकहु ॥ आव





रेवनंमेवीतीसोकीजे॥मेरोवचनसत्यसुंनीलीजे॥६७॥उषाअनुरुधचाइी
हैज्योंही॥गंद्रफव्याहकरोतुमत्योही॥पुरवनेहग्रेहचितदीजे॥अेहवातकी
वरमनकीजे॥६८॥मयुवा॥पुरववीगतितोकोईीनजानें॥अपनतोअपवनिक
कीठांने॥अरकवुयिज्योजीअपमेयरीअपे॥इनवातननांहीनिसतरीअपे॥६
५॥सुनतरायछिनअेकमेमारे॥निस्वारथअेहवुयिवचारे॥विगरिमते
वसीठीकरइी॥सांपचघुदरिकीगतिपरीइी॥६६॥दुहरा॥प्रीतिकरीसुखलेनकुं

म्पंत्रीसुवअप … मारि॥दिवसच्यारकत
संकनयरइ … कछुकहीनपरइी॥७७
कनकमा … वुलअपे॥सुनिहोवा
तसहलमनचा … ॥चौ॥कंन्पांउदरपरोक्ष
हीहोइी॥नीकरहग्रहग्रहग्रथढोव॥विगर
ह्नोवेगपायकहंकारो॥मयुमालतीदोउ

२

सन्नासवफीकीहोइ ... भां
सामांनु ... सा



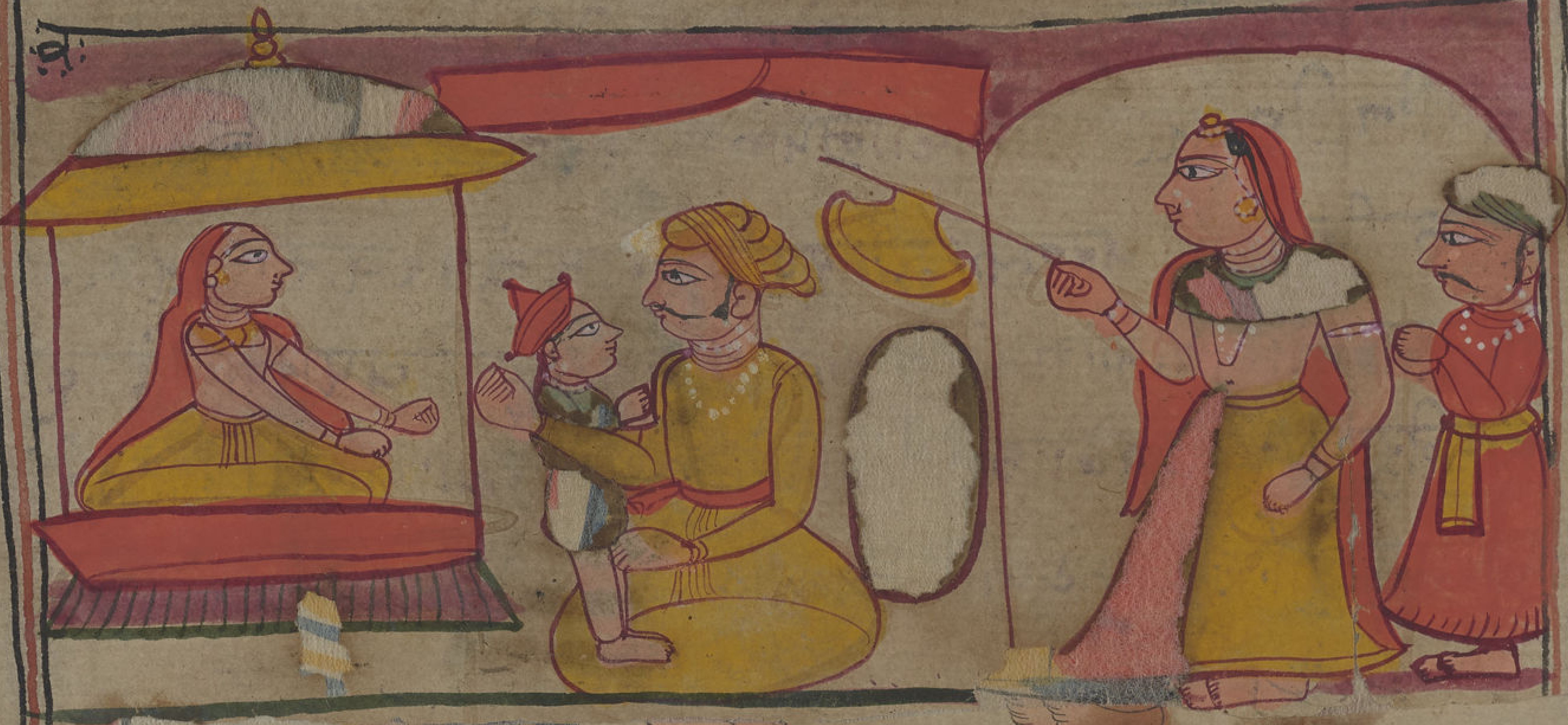
नआईी॥ उनरूपपनीसवसंन्यांवुल्हाईी॥ छकठाहरजुरिवठेआंनी॥ उन
सुंवोल्छनल्हागोवानी॥ ७७॥ मेघवरनकागयांहांरूपायो॥ उनमेरोसवराजगु
मायो॥ पंछीकाजिदृरूपेवदराइ॥ वेमेरेरपुपुर ... ॥ ७८॥ ... रेकागज्याइ
कैमारो॥ पंछीकाहारूपापनोसारो॥ मेघवरनजी ... थरीयो॥ ... नवमारि
कैतुनमरीयो॥ ७९॥ चल्लीसैनज्याहांकागव ... ज्योव्रधिहोइत्ताहाथै
रो॥ निसिरूपंयीयारीवाइसन्तुल्ले॥ घुहरज्याह ... पु ॥ ८०॥ कागहज
रच्यारिताहांमारो॥ त्तागेयेतजु रुताहाहारो॥ मेघवरनउहठाहारघंडो॥

क्रीरूपे॥ वहुरिनजांमसोय॥ माघनतक्रमिल्लाइये॥ पपपा॥ जतवाक्लोक
रूपज्याजुथुंगिनकसराय्यं॥ पन्नीतेङरङंमरं स्त्रीपुर्षविरोयानं॥ रूपेतेवसरफस
रं॥ ५६॥ चोपई॥ रूपज्याजुयथेंचोरनपरइी॥ युन्नकेआयङंव ... इ॥ दृंपतिक
हनिसानहींन्पारे॥ वरसेनहीप्रातयनत्नारे॥ ५७॥ निरसवचनमुषतैंउचरइ
सुनतमालतीरूपवहीमरइ॥ सवेसयानपजेहैतेरो॥ मयुरूपेहसत्यवचनसुंनि
मेरो॥ ५८॥ मयुवाः रूपसेवचननहींचितयरिहुं॥ फुनिकवहुविच्यारनहींकरि
हुं॥ जीरूपतेंसत्यनतजिहुमेरो॥ करिहेजतकांहांतोकेरो॥ जतम ... मनमयिवि
चारे॥ यीवातनतेंकनुनहींहारे॥ कगरतहीसिगरोदिनजहैं॥ पीछेमंत्रकाज
काहाकरिहे॥ ६०॥ जिनमंत्रसिलताासिरसुको॥ फुनिसुकेतनरनरफलमुंको॥ मा
तेकुंजरमदउतारुं॥ सोरूपेहवरीयांक्योनसंन्नारुं॥ ६१॥ मयुतनचितईनर
थिनेकनीहारी॥ पढिकैंमंत्रमोहनीडारी॥ वसिकीनोरूपरवातलगायो॥ फु
निरूपागेचल्लवेरवतायो॥ ६२॥ मयुतैंकहीसोमोमनमानी॥ विन्नचारडुसन

३

सत्रासवफीकीहोइ ॥९॥ नादेषंचितचल्यै महेसा: देषतयरनीलखतसे
सा ॥ मंनुखंहपरेताहेसा ॥ मनसाचक्रिकिंनरनरेस: ॥१०॥ राजलोकवर
ननकेतीहिककहुं ॥ थोरीसीमंत्रीकील्हुं ॥ थोरीमंत्रिवोहोतरसहोइ ॥
अतिलावनिक्रनिरीकोकोइ ॥११॥ तारणसाहासुघरगुणसार: ॥ त्री
यापेकतसुइकेककुवारि ॥ ताकोनांममनोहरयारि ॥१२॥ मयुरकहिविलो
क:

ताराकुमं द्रः



साइरवाएका ॥ दोहरा ॥ सुनिपंषीसाइरजनो [illegible]
रूपगव्ह ॥ सोगंजीषोनज्यपाइ ॥ चोपई ॥ [illegible]
त्रासकंपेनोषंड ॥ इंनघुहरकुं दिवसनसुके ॥ ताकुंराजदेमकुवुके ॥ [illegible] स
वातकागजिवन्नाषी ॥ पंछीसवमनजरूपेजसाषी ॥ कोसंमुघजोवसहरकरही
घुहरराजकाजकाहासरई ॥ यपा ॥ डुहरा वाइसमतोमिटाईघाईयसे ॥ पंछीग
रूपेछंडा ॥ घुहररूपपनेजुधसुं ॥ रहेवहिउहीठांडा ॥ [illegible] ॥ घुहरनामरूपरीमरद

[illegible]



कहतोइंद्रमेघसवबंयुं॥कहतोविनपावकपकरांयुं॥कहतोअगपातालसुतसुंसांयुं॥
कहतो संधसुकउ
॥२२॥कहतोजोगनीवीरहंकारुं॥कहतोगिरवरसुंगिरमारुं॥केहतोगरल घीघ्रतकरिज्नहुं
॥२३॥कहतोवसुयाचलितचलाउं॥कहतोसिलतातउलटिवुहाउं॥कहतोअनरति
विरषाकरिहुं॥कहतोअपह्यातगिरकरिहुं॥२४॥मालतीमंबरतेहकजानुं॥सुरनर
सकलवंयिकेठांनुं॥जोमधुनेंकदेषवेपाउं॥पंछीलोंगहीकेअवलाउं॥२५॥मधुकी
षवरिरामसरपाई॥इतीदेषिजैतपैठाई॥तजीकुअरिसुनतउठियाई॥मालती



३

वसहनगरपुरजोजानिच्यारि॥चोरासीचोहोटाचोवारि॥अतिविचत्रदीसै
नरनारी॥मानुहतिलकचीनुवनमंझारी॥३॥करेसेवनृपकीकुलीछ
तीस॥चढेसहंसदसनीवावेसीसः॥झरहीमयकुंजरकरहीचीसः॥चं
द्रसेनईसनरिस॥दोहरा॥हद्दलअंपतनपार॥कुंगरकारेमेघजुं॥
कुलीछतीसहजार॥चढेदुवारेनृपतिचंद्रके॥५॥चोपई॥अंचीगतिपर
कारमतामेः॥तारकासाद्दातासकोनांमेः॥निसदिनिस्यांमयंमसकाम॥
नृपतिनतिगुहारताजांमः॥६॥नृपकेअंतेवरचीया॥च्यार॥[illegible]॥ के
मालतीकवारि॥वरनुकाहाजोरुपअपपारः॥मानुंउरवसिलीयाअपन
तार॥७॥वापमांकोनप[illegible]कहुं॥गुनअनेकछिवपारनलहुं॥इ
निदनिरुपअपनु[illegible]चढे॥अ[illegible]हिवारावियः[illegible]॥घड॥८॥गजकपोतिहरि
विप्रहैवा[illegible]॥चं[illegible]मधुका[illegible]नमराल॥कदलीषंजयरि[illegible]पीसोइरिद्र

ऊंचोऊपाहि॥सवदनवठोपठावेतहे॥पंतनल्लोऊपल्लछानम्हे॥ताथिजिव
क्षागेसंदेह॥४४॥जोमनसापढवेकीकहे॥पटपरचैनीतरथीरहे॥वाहरि
थीगुरुऊपछारकहे॥ऊपसीसहेतविय्यल्हे॥४५॥माल्तीचतुरविच्यछणऊंग
कुकैसकलवातकेरंग॥न्रपसुंउतरजंपेताम॥मेरेमनविय्यसुंकांम॥४६॥
पटपरचेवंय्यगहीच्यारि॥मुषदेषेंकोकौनविच्यार॥अधिरवचनपुकारेक
कह्यो॥पिडंतजाव्रेज्याहांत्यहांरहे॥४७॥माल्तीवचनन्रपसुषपाय्यो॥तिवही
प्यंडंतवेगवुलाय्यो॥पटपरचतिहांऊकल्हइी॥पढवेकुपाटीलषिदेइ॥

मयु

४८॥



माल्ती

कामहेतचितलाइ॥२६॥मंत्रमोहनीमुषउचरही॥वसिकरनवानीमुषयरही॥
थोरीवेसवुधिवल्लपुरी॥परहितकाजकरनकुंसुरी॥२७॥स्नेहंकारिसषीदोयच्यारि
फुनिकीनोसजिसोलेस्यंगार॥मंजनचारचीरउनहीर॥करकंकननेवरझन
कार॥२८॥तिलकजात्मुनेनदेऊपंजन॥कुडंल्लमुकताफल्लमनरंजन॥तनचंदन
कंचुकीकलकें॥तापरिछिंद्रुयंटकामलषे॥२९॥मुषतंवोलवीरीऊपयडगरे॥मा
नुकिरपंकनीरवांरे॥ऊपतिचातुरतनसोजासोहे॥जादेषेमुनीऊपरमनमोहे॥
३०॥काव्य॥ऊपाहोमंजनचारचिरतिलकंनेत्रंजनंकुंडल्लं॥ना[illegible]हा
रझरल्लं॥ऊंकारतानोपरं॥ऊपंगेचंदनकंचुकीऐिषुद्रावली[illegible]
करिकंकणाचतुरतांश्रंगाररसषोडस॥३१॥चोपइी॥मतगय्यंद[illegible]
जितचितनतततहीमनमोही॥सरवररनिकटिसंमीपहीऊपाइी॥मयुषेल्त[illegible]व सुष
पाइी॥३२॥पहलेय्याकुंवचनजमपाउं॥कैसोचातुरसोगतिपाउं॥प्रेमइसारतिके
सरसंयुं॥पिछेमंत्रसकतिकरिवंयुं॥[illegible]जतरामसरउज्जीरहइी॥मयुकरमसि
मयुसुंकहइी॥माल्ततीकुसमव्रमिमयल्लरय्यो॥[illegible]करसमदुजोरसजम्यो

मा॥ श्रीसरसतीमाताजीसदासहायछै
[illegible] ॥वते॥ तपकाछुतटीका ग्रथाम गंपतीवंते
[illegible] अलापै॥ काहुनाटीकचेटीकलापै॥ काहुई
[illegible] पा॥ काहुकायकलफदीघाया॥ कोइमोहनलुका
[illegible] नकरै॥ कोइचीत्तकीमुरतीकरै॥ कोइरुपपलटीकरारहैं॥ दे
[illegible] रकछकहै॥ कोइडाइनबिद्याउडीचलै॥ कोइफुलबी
[illegible] ॥ कोइअगनासेजलैडासी॥ कोईनीरजीदीपावैहासी
[illegible] रजीवदीपावै॥ कोईनररोवन्नरुगावै॥ सवैंग
[illegible] कोइ जिनदेषासोआचीरजभीनहीं॥ १॥ ॥
॥ [illegible] रजमा [illegible] देषीलै॥ गो कोत्तिकऐजानी॥ ऐकऐक
[illegible] जैचत्ररसजानी॥ २॥ चौपई जोचाहकोतीग [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] जबरै मनमाहीबडरै॥ सोजोगीजोजुकलनबीदेषै [illegible]

१

कुअपरिकहेसुनोहोतात॥ मेरेमनिवस्तकीभ्रांति॥ पंडितवेगबुलावोप्रात॥
वैठीम[illegible]दुदिवसनैराति॥ ३६॥ देषिअनुपमालतीविसाल॥ मनमैसंकायरी
नुपाल॥ कंन्यांवरप्रापतिकुआरी॥ अपाजकालकननिपजेंसही॥ ३७॥ असी
मनमैच्यंताकरे॥ फुनिविच्यारकछुनोरेयरे॥ पढवेकारनवीरमीरहें॥ तोलु
वरढुंढुअनुपकहें॥ ३८॥ पटपरचेवेयोअनुपकहे॥ नीत्तरिकुवरिमालतीरहे॥
पंडितकेढगिमींचीकोवाल॥ वठेरहेपढैपटसाल॥ ३९॥ मिंत्रीकुअरनांम
जिवकहे॥ सुनतमालतीहरहसुषलहे॥ जाकेमनमकुवेकीतिस॥ मन
साकेदातानगदीसं॥ ४०॥ श्लोकः गिरकलपिगगनेचमेघो॥ लक्षांचभा
नंजलेपदमा॥ दोयलक्षथाउचकमोदतोयं॥ जोजस्यप्रीतिंनकदाचिदुरी॥ ४१॥
दुहरा: कमोदनिजलहरवसे चंदावसेअकासि॥ जोजाहीकेमनवसे॥ तेता
हीकेपासि॥ ४२॥ चौपई कपटवचनइकोरमोरा॥ पंडितवरननदेषोकाप्र॥
त्रीयाहोइकरनरप्रिजेहस्वितवरनहोइताकीदेह॥ ४३॥ मंत्रीसुतएकनां

...गो सा आवौ ॥ सोबत जागत पलक न...
...जा पारजा ॥ बहु बैगा ना पावै द्योष रापावै ॥...
जब लग जुगम जीवै ॥ पुनी बसा करण ॥ रबी पु...
कोई आसादा बस जोयावै ॥ आबा कान नांक अरु द्या त... ...नाक
दीम गावै ॥ मुरदा जहा जला पो जो जानै वहीं आ ठा जोयावै मी ठा ते
ल करा ही चोडै ॥ पाचु बस तप कावै ॥ जब जरी द्यारा... ॥
त्त का नी करी ला... ॥ चरी कें ते बल हरी बाहीए... [illegible]
न जु करियै ॥ लीजे तत्न हु तेली जरी ॥ कर मुष चो... [illegible]
साजा पारजा सत्तु मां त के जाय मरी हो जोवै ॥ ने... [illegible] ...नमाता
वै ॥ हसी करी मुष सन मुषा दोष लावै ॥ जौरै नैन स... [illegible]
नैरी मुष संगि ल्लागा सु आवै ॥ पुनी बस करण ॥ ... बराती